हिन्दी दैनिक

जौनपुर, लखनऊ व भदोहीं से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 04 अंक–72 : जौनपुर, मंगलवार 03 मई 2022 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

राज्यपाल व सीएम योगी समेत कई नेताओं ने दी अक्षय तृतीया–परशुराम जयंती और ईद की बधाई

लखनऊ ब्यूरो : एक माह चले रमजान माह के बाद सोमवार को आखिर ईद का चांद नजर आ गया। चांद के दीदार होते ही लोगों ने एक–दूसरे के गले लगकर मुबारकबाद दी। ईद का चांद दिखने के साथ ही नमाज ए तरावीह का आखिरी दौर सोमवार को मुकम्मल हो गया। रमजान का चांद दिखने के साथ ही मस्जिदों में शुरू हुई तरावीह की विशेष नमाज संपन्न हो गई। रमजान के आखिरी अशरे में मस्जिद में ऐतिकाफ कर रहे लोग भी इफ्तार के बाद मस्जिद से बाहर आ गए। ईदगाह के इमाम मौलाना खालिद रशीद फरंगी ने कहा कि ईद उल फित्र अल्लाह की तरफ से अपने बंदों को रमजान उल मुबारक की इबादत का इनाम है। मौलाना ने ईद का त्योहार अमन और मोहब्बत के साथ मनाने की अपील की। ऐशबाग ईदगाह में मंगलवार सुबह 10 बजे सबसे बड़ी जमात से ईद की नमाज अदा होगी। यहां पर मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली और टीले वाली मस्जिद में सुबह 9 बजे ईद की नमाज मौलाना शाह फजले मन्नान रहमानी अदा कराएंगे। ऐशबाग ईदगाह में हजारों की संख्या में मुसलमान नमाज अदा करेंगे। वहीं शिया समुदाय की सबसे बड़ी जमात आसिफी इमामबाड़े में सुबह 11 बजे जुटेगी। औरंगाबाद खालसा स्थित मस्जिद नूर ए अनवर में ईद की नमाज सुबह 8.30 बजे, मुफ्तीगंज मालकी स्ट्रीट स्थित मालकी मस्जिद में ईद की नमाज सुबह 9 बजे होगी। ईद की मुबारकबाद के साथ रात भर गुलजार रहे बाजार ईद की मुबारकबाद के साथ राजधानी के बाजार सोमवार को पूरी रात गुलजार रहे। अमीनाबाद का गड़बड़झाला हो या नक्खास की चूड़ी वाली गली। खदरा का दीनदयाल नगर का बाजार हो या हजरतगंज का जनपथ शहर के तमाम बाजारों में ईद की रातभर रौनक रही। रमजान उल मुबारक के 30 रोजे पूरे कर चुके रोजेदार पूरे इत्मीनान के साथ ईद की छूटी हुई तैयारियों को रात भर में पूरा करने में लगे रहे। दुकानों पर रात में भी ऐसी भीड़ जुटी मानों मेला लगा हो। वहीं, घरों खातून सिंवइयों की मिठास मुंह में घोलने के लिये पूरी रात तैयारियों में लगी रहीं। नवाबी दौर की ज्वैलरी की तर्ज पर जड़ाऊदार चूड़ियां और कंगन महिलाओं को लुभा रही हैं। गोल्ड लुक में दिखने वाली ज्वैलरी सेट भी महिलाओं को भा रहे हैं। कारोबारी मो. रईस बताते हैं कि रंग–बिरंगी मीना के काम वाले कंगन हों या फिर ज्वैलरी महिलाओं की पसंद बनी हुई हैं। खूब बिक रहीं टोपियां नमाज में पहनने के लिये सफेद जालीदार टोपियों के साथ साथ हरी, नारंगी, नीली, पीली चटक रंगों की टोपियां भी खूब बिक रही हैं। चिश्ती,

बांग्लादेशी, सऊदी मेहराबी टोपी, अफगानिस्तानी, इंडोनेशियन, पाकिस्तानी, लखनवी टोपियों के साथ इस बार तुर्की के मशहूर सीरियल अर्तुगरुल गाजी स्टाइल टोपी में बाजार की शोभा बढ़ा रही है। ईद की खुशी में सिंवईं बढ़ाएगी मिठास सिंवइयों की मिठास के बिना ईद की खुशी पूरी नही होती। वैसे तो सिंवइयों की खरीदारी ईद से एक सप्ताह पहले से ही होनी शुरू हो जाती है लेकिन चांद की रात में बेटियों और रिश्तेदारों को त्योहारी देने के लिए खूब खरीदारी होती है। बाजार में कई किस्म की सिंवई जैसे बनारसी, प्रयाग की, जाफरानी आदि सिंवई मौजूद है। हालांकि स्वाद के दीनाने बारीक सिंवई तलाश रहे हैं। सिंवई विक्रेता मो. वसीम बताते हैं कि बनारसी सिंवई की मांग है। डिब्बा पैक होने की वजह से इसे त्योहारी में देने में आसानी होती है। ये 120 रुपये में मिल रही है। राज्यपाल व मुख्यमंत्री योगी समेत कई नेताओं ने दी अक्षय तृतीया, परशुराम जयंती और ईद की बधाई राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई नेताओं ने प्रदेशवासियों को अक्षय तृतीया, परशुराम जयंती तथा ईद उल फितर की बधाई दी है। राज्यपाल ने अक्षय तृतीया और परशुराम जयंती के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान परशुराम हमें बहादुरी और ईमानदारी का संदेश देते हैं। शुभ कार्यों की सिद्धि से जुड़ा यह पावन पर्व हमारे सभी संकल्पों को साकार करने की शक्ति प्रदान करता है। ईद उल फितर पर शुभकामनाएं देते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह दिन समाज के भले के लिए सामूहिक सद्भाव, लगाव और सबको साथ लेकर चलने की भावना को बढ़ाएगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि सनातन संस्कृति में अक्षय तृतीया को अत्यन्त पुण्यदायी तिथि माना गया है। इस तिथि को अनेक युगों से मनाया जा रहा है। भगवान विष्णु सारी सृष्टि के संरक्षक हैं। इसलिए अक्षय तृतीया की तिथि को भगवान विष्णु का आशीर्वाद प्राप्त है। अक्षय तृतीया की तिथि सभी शुभ एवं मांगलिक कार्यों के लिए उत्तम मानी जाती है। इसी तिथि को भगवान परशुराम की जयन्ती भी मनाई जाती है। समाज में धर्म एवं न्याय की स्थापना में महर्षि परशुराम का अतुलनीय योगदान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ईद उल फितर का त्यौहार खुशी और मेल–मिलाप का संदेश लेकर आता है। खुशियों का यह त्यौहार सामाजिक एकता को मजबूत करने के साथ ही आपसी भाईचारे की भावना को बढ़ाता है। ईद के पर्व पर सभी को सद्भाव तथा सामाजिक सौहार्द को और सुदृढ़ करने का संकल्प लेना चाहिए। इसके अलावा विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, विधान पारिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, मंत्री कपिल देव अग्रवाल, आशीष पटेल, धर्मपाल सिंह, दानिश आजाद अंसारी, संजय निषाद, नंद गोपाल गुप्ता नंदी, गुलाब देवी, आल इंडिया मायनारिटीज फोरम फॉर डेमोक्रेसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अम्मार रिजवी, बीबीडी ग्रुप के चेयरमैन विराज सागर दास ने भी प्रदेशवासियों को अक्षय तृतीया, परशुराम जयंती और ईद की शुभकामनाएं दी हैं।

सनकी भतीजे ने बड़े पिता सहित परिवार के चार लोगो पर ताबड़तोड़ बरसाई गोली : बड़े पिता की मौत : चार घायल

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : नेवड़ियां थाना अंतर्गत क्षेत्र रामनगर ब्लाक के बीधमहुआ गांव में सोमवार देर रात एक सनकी भतीजे आकाश ने ना जाने कौन सी खुन्नस में अपने ही सगे बड़े पिता व परिवार की दो महिला सहित एक 13 वर्षीय मासूम पर ताबड़तोड़ गोली बरसा कर अपने बड़े पिता को मौत की नींद सुला दिया। आकाश द्वारा देर रात घर के बाहर सो रहे 65 वर्षीय बड़े पिता राजबलि को अपनी गोली का निशाना बनाते हुए दो गोली मारकर जिससे उनकी वही मौत हो गयी। गोली चलने की आवाज सुनकर घर के छत पर सो रहे लड़के रविन्द्र यादव सहित परिवार के सभी सदस्य भाग कर बाहर आए तो देखा कि आकास हाथ में असलहा लिए हुए था जिसने रविन्द्र के पिता को गोली मारकर हत्या कर दिया जिसके बाद रविन्द्र सहित परिवार के लोग आकाश को पकड़ने के लिए दौड़े ही थे कि अपने परिवार के खून के प्यासे आकाश ने अंधाधुंध गोलियां चलाना शुरु कर दिया। जिसके द्वारा चलाई गई दो गोली रविन्द्र की मां शान्ति देवी 60 वर्षीय के पेट में लगी और एक गोली रविन्द्र की पत्नी विमला 40 वर्षीय के पैर में लगी वही एक एक गोली रविन्द्र के मासूम बेटे गौरव यादव 13 वर्षीय के गुटने के उपर एक गोली लगी इतने के बावजूद रविन्द्र ने हत्यारे आकाश का पीछा करना चाहा की उनसे असलहे के मुठियां से रविन्द्र यादव 45 वर्षीय के सिर पर मारकर मौके से हुआ फरार हो गया। गांव में गोली चलने की घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल कायम हो गया, घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुची पुलिस ने आनन फानन में सभी घायलों को इलाज के लिए भेजा जिला अस्पताल जहाँ घायल रविन्द्र को भर्ती कर इलाज किया जा रहा है अन्य सभी घायलों की नाजुक स्थिति देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए ट्रामा सेन्टर वाराणसी के लिए रेफर किया गया। घटना के बाद मौके पर पहुची पुलिस आरोपी की धरपकड़ में जुट गई है। वही घायल रविन्द्र ने

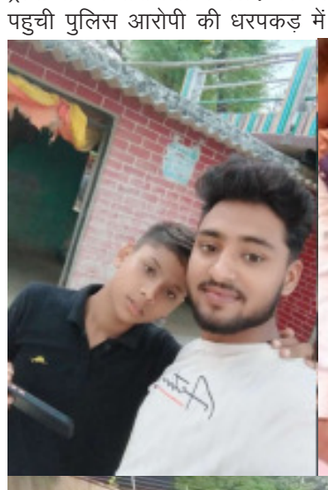

बताया कि उसके परिवार के लगभग सदस्य रोजीरोटी के सिलसिले में महाराष्ट्र में रहते हैं गांव में माता पिता के साथ बड़े भाई की पुत्री दीपिका रहती हैं हम सभी परिवार के साथ महाराष्ट्र में रहते हैं माता पिता से मिलने के लिए अभी तीन दिन ही हुआ हैं गांव आए और चाचा के सनकी लड़के ने हम सभी परिवार पर देर रात ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दी जिसमें मेरे पिता की मौत हो गई है और मां को दो गोली लगने के कारण उनकी भी स्थिति गंभीर बनी हुई हैं। मां सहित मेरी पत्नी व बेटे को भी गोली लगी है जिन्हें बेहतर इलाज के लिए चिकित्सक द्वारा वाराणसी रेफर किया गया है। रविन्द्र ने बताया कि उसके चाचा का लड़का एक वर्ष पूर्व जेल से रिहा हुआ था जो महाराष्ट्र में किसी कांड के दौरान तीन वर्ष तक जेल में रह चुका है। इस मामले में मंगलवार को जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि दो की हालत नाजुक है उन्हें ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है।एक की मौत हो गई है आरोपी युवक की धरपकड़ के लिए पुलिस की टीमें गठित कर दी गई हैं। गांव में शांति व्यवस्था कायम है। एहतियात के तौर पर फोर्स तैनात कर दी गई है।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dku live चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

बारात गए युवक की रंजिश में पीट–पीटकर हत्या : छह के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के हरिहरपुर गांव में बारात गए युवक कमलेश यादव 22 वर्ष पुत्र जियालाल यादव की चाकू से गोदकर अज्ञात लोगो द्वारा मौत के घाट उतार दिया। युवक का शव मंगलवार सुबह जनवासे से 200 मीटर दूर गांव में ही चरवाहों ने देखा। जिसके बाद ग्राम प्रधान ने शव मिलने की सूचना पुलिस को दिया। पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है वहीं इस मामले में परिजनों द्वारा 6 लोगों के विरुद्ध नामजद थाने में तहरीर दी गई है। पुलिस तहरीर पर कार्रवाई करने में जुटी हुई है। रामपुर थाना क्षेत्र के दादर गंधौना गांव से राजकुमार यादव पुत्र लवकुश यादव की बारात मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के हरिहरपुर गांव मे सोमवार की रात फौजदार यादव के यहां गई थी। बारात में जियालाल यादव का 22 वर्षीय पुत्र कमलेश यादव , गोविंद दूबे , शिवनारायण दूबे तीन साथियों के साथ गया था। जनवासे से 200 मीटर दूर पहुंचा था तभी आधा दर्जन बाईक सवार अज्ञात लोगों ने रास्ता रोक लिया। अज्ञात लोगों ने कमलेश को गाली दिया तो उनके साथियों ने बीचबचाव किया जिसके बाद तीनो की पिटाई शुरू कर दिया। उसी समय कमलेश को पकड़कर चाकू से गोद गोद कर मार डाला और को शव को वहीं खेत में फेंककर भाग गए। घटना की सूचना साथियों ने डरकर परिजनो को नहीं बताया। रात भर शादी विवाह का कार्यक्रम संपन्न हुआ सुबह गांव के चरवाहे खेत की तरफ गए तो खून से लथपथ अज्ञात युवक की शव देखकर ग्राम प्रधान को जानकारी दिया। ग्राम प्रधान ने तुरंत सूचना पुलिस को दिया। कमलेश जब घर नहीं पहुंचा तो परिजन उसकी जानकारी करने लगे कोतवाली पहुंचकर पुलिस को लड़के के गायब होने की सूचना दिया। पुलिस वालों द्वारा मृतक की फोटो परिवार को दिखाने पर युवक की पहचान कमलेश यादव के रूप में किया। घटना के संबंध में सीओ मड़ियाहूं संत प्रसाद उपाध्याय ने बताया कि सोमवार रात गंधोना से एक बारात में मड़ियाहूं थाना क्षेत्र के हरिहरपुर गांव में आई थी बारात में शामिल होने जा रहे दो युवक को 6 से 7 लोगों ने रास्ते में पकड़ लिया और मारना पीटना शुरू कर दिया। साथ रहे एक युवक वहां से फरार हो गया ।एक युवक कमलेश की उन लोगों ने पीट–पीटकर हत्या कर दी। इन लोगों का आपस में कुछ पुराना विवाद था जानकारी मिली है कि 15 दिन पहले प्रैक्टिकल की परीक्षा को लेकर कुछ विवाद हुआ था जिसको लेकर आज उन लोगों में पीट पीट कर हत्या कर दी है पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं । 6 लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर प्राप्त है आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी।

सुदामा स्वाभिमानी ब्राहमण थे उनके पास ब्रहम चिंतन की अकूत सम्पत्ति थी – आचार्य अरविंद

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। भगवान श्री परशुराम जी प्राकट्योत्सव के अवसर पर ठाकुरगंज में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के अन्तिम दिवस आज आचार्य प्रवर श्री अरविन्द जी महाराज ने भगवान के 8 प्रमुख विवाहों का वर्णन किया। वास्तव में यह विवाह आठ प्रकार की प्रकृति है, जो परम पुरूष के नियंत्रण में रहती है, इन्हीं को मद्भागवत् में विवाह के रूप दर्शाया गया है। आचार्य जी ने आज सत्कर्म करने वाले राजा नृग की कथा भी सुनाई। किन्तु उस राजा ने भी एक ही गाय, दो अलग–अलग ब्राहमणों को दान करने के कारण गिरगिट की योनि प्राप्त की। इससे प्रेरणा मिलती है कि दान में प्राप्त वस्तु का पुनः दान नहीं करना चाहिए। युधिष्ठिर के राजसूय यज्ञ की कथा पर प्रकाश डालते हुए अरविन्द जी महाराज ने बताया कि भगवान ने शिशुपाल का वध स्वयं किया तथा जरासन्ध का वध करवाया– महाभारत के युद्ध का बीज यहीं से प्रारम्भ होता है। आचार्य जी ने आज विप्रवर सुदामा की कथा भी सुनाई सुदामा स्वाभिमानी ब्राहमण थे, उनके पास ब्रहम चिंतन की अकूत सम्पत्ति थी। सुदामा इन्द्रियों के सुख से विरक्त थे, भौतिक, सम्पत्ति उनके पास नहीं थी। आचार्य जी ने कहा कि यदि देखा जाय तो तीन लोक के ठाकुर जिसकी सेवा अपने हाथ से करे, लक्ष्मी स्वयं जिस पर चंवर डुलावै, क्या उस जीवात्मा से धनवान कोई और हो सकता है ? गुरू सदन में पढ़ते समय एक बार सुदामा ने अपने अभिन्न सखा कृष्ण को भूखा रखा, भोग नहीं लगाया, जिसका यह परिणाम मिला, तो आज की संस्कृति में जो बिना भोग लगाए ही भोजन करते हैं, उनका क्या होगा ? आचार्य जी ने कहा कि यद्यपि भगवान भाव के भूखे हैं। यहाँ सुदामा जी जीव तथा कृष्ण परम ब्रहम हैं। सुशीला सद्बुद्धि है। जब सद्बुद्धि बार–बार प्रेरित करती है तब जीव परमात्मा की शरण में जाता है। कथा को विश्राम देते हुए आचार्य श्री अरविन्द जी महाराज ने कहा कि भगवान ने अपनी माया को संकेत करते

हुए यदुवंश को स्वयं ऋषि मुनियों से शापित कराया और स्वयं भी परमधाम गमन किया। आचार्य जी कहते हैं कि कथा के प्रभाव से परीक्षित जी भी देह के बंधन से मुक्त हो गए और विमान पर बैठकर भगवान के श्रीधाम चले गए। आचार्य जी ने कहा कि देह के बंधन से जो मुक्त हो जाता है, वह भगवत चिंतन करते हुए स्वयं प्राणों का त्याग कर देता है उसे शरीर त्याग का कोई कष्ट नहीं होता जैसे सर्प केंचुल को त्यागने पर कोई कष्ट नहीं होता। आज की कथा–यज्ञ में डॉ0 अशोक वाजपेयी (राज्य सभा सांसद), यतीन्द्रानन्द सरस्वती जी (महामण्डलेश्वर जूना अखाड़ा), ए0डी0सी0पी0 पुलिस कैप्टन एस0के0 द्विवेदी (पूर्व आई0ए0एस0) शामिल रहे। उनका अंगवस्त्र एवं भगवान परशुराम जी का चिन्ह ''स्मृति चिन्ह'' के रूप में दे कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर लालजी प्रसाद पाण्डेय, अमिताभ पाण्डेय, दीपू शुक्ला, सुनीता पाण्डेय, अंशू मिश्रा, शक्ति बाजपेयी, कमलेश मिश्रा, सुमित दीक्षित, कृष्णा शर्मा, महेन्द्र द्विवेदी, अम्बरीश वर्मा, संतोष शुक्ला, मृदुल पाण्डेय, जितेन्द्र शर्मा, विजय कुमार मिश्रा, सतेन्द्र अवस्थी, अभिरूचि बाजपेयी, पूनम तिवारी, गोपाल नारायण शुक्ला, बाल किशोर तिवारी, सतीश कुमार दीक्षित, संतोष कुमार द्विवेदी, शेष कुमार मिश्रा, मूलचन्द्र मिश्रा, राघवेन्द्र अवस्थी, सनी साहू, राहुल पाण्डेय, टिंकू ठाकुर, अजीत पाण्डेय, पूनम सिंह, आनन्द मिश्रा, पंकज शुक्ला, शर्मिला पाण्डेय, संजय शुक्ला, वन्दना विशेष, पी0एस0 तिवारी, अवध प्रकाश शुक्ला, अभय तिवारी, पुलकित शुक्ला, जितेन्द्र द्विवेदी, विशाल सोनकर, रजत तिवारी, अंकित गुप्ता, मंजरी शुक्ला। (एडवोकेट अनुराग पाण्डेय) राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय ब्राहमण महासभा उपस्थित रहे।

सात मई को होगा सुन्दरकाण्ड का पाठ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। सात मई शनिवार को गोकुल ग्राम कल्याण समिति के अध्यक्ष धीरेंद्र कुमार तिवारी के आवास L–15/S-466 गोकुल ग्राम योजना प्रथम मुन्नू खेड़ा पर सुन्दर काण्ड पाठ का आयोजन किया जाएगा। गोकुल ग्राम योजना प्रथम मुन्नू खेड़ा में श्रीहनुमान

मंदिर पर सुंदरकांड पाठ किया गया। आचार्य धीरज शास्त्री ने पूजन अर्चन के पश्चात सुंदरकांड पाठ शुभारंभ कराया। गोकुल ग्राम कल्याण समिति के अध्यक्ष धीरेंद्र तिवारी, उपाध्यक्ष आचार्य धीरज शास्त्री, सचिव राजेश प्रजापति, खंड सचिव हेमंत मिश्रा, प्रवक्ता उदय प्रकाश मौर्य, प्रदीप द्विवेदी,प्रचार मंत्री अमित बाजपेई, हर विलास तिवारी, प्रत्यूष पांडे, साधना बाजपेई, उर्मिला प्रजापति, श्रीमती सावित्री बाजपेई, श्रीमती प्रज्ञा पाण्डेय, आयुष बाजपेई , अभिषेक बाजपेई, मिष्ठी बाजपेई, सुधांशु मिश्रा,सत्य प्रकाश सिंह , के के राय, अम्बृश जायसवाल, मुन्ना सिंह, राजेश कुमार गुप्ता, हेमंत मिश्रा, संतोष सिंह, इन्द्रेश सिंह उपस्थित रहे।

मेरठ में बढ़ी कोरोना की रफ्तार : एक दिन में मिले 14 नए मरीज : शहर में मचा हड़कंप

मेरठ ब्यूरो : मेरठ में कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। सोमवार को 14 नए मरीज मिले, जिनमें साकेत के एक ही परिवार के 10 लोग संक्रमित निकले हैं। यह सभी पिछले शुक्रवार को पॉजिटिव आई शहर के एक नामचीन गर्ल्स स्कूल की एलकेजी की छात्रा के संपर्क वाले हैं। इनमें उसके माता–पिता और परिवार के अन्य लोग हैं। जिले में सक्रिय केसों की संख्या 35 हो गई है। ढाई माह बाद एक दिन में कोरोना मरीजों की संख्या दहाई के पार पहुंची है। यह मरीज नंगला बट्टू, दौराला, कसेरू बक्सर, लल्लापुरा और सरूरपुर क्षेत्र के हैं। संख्या बढ़ने से कोरोना की चौथी लहर को बल मिल रहा है। हालांकि जिले में कोरोना के मरीजों के मिलने की रफ्तार अभी बहुत ज्यादा नहीं है। यहां के मुकाबले दिल्ली–एनसीआर में काफी संख्या में मरीज मिल रहे हैं। कोरोना संक्रमितों में नौ महिलाएं जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. अशोक तालियान ने बताया कि 2893 लोगों की जांच की गई। जो 14 मरीज मिले हैं, इनमें 14 साल की लड़की भी है। नौ महिला वर्ग से हैं और पांच पुरुष वर्ग से हैं। घबराएं नहीं, एहतियात बरतें सीएमओ डॉ. अखिलेश मोहन का कहना है कि कोरोना से घबराएं नहीं, लेकिन एहतियात जरूर बरतें। जो मरीज मिल रहे हैं, उनमें ज्यादा लक्षण नहीं हैं।232 लोगों को लगा टीका सीएचसी दौराला में सोमवार को टीकाकरण शिविर में सैकड़ों लोगों ने टीका लगवाया। कैंप में लोगों ने कोरोना की जांच भी कराई।सीएचसी प्रभारी डॉ. विपुल वर्मा ने बताया कि टीकाकरण अधिकारी डॉ. राजवीर

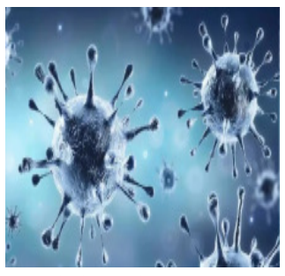

सिंह के नेतृत्व में डॉ. बीपी सिंह, राहुल जोशी, विजेंद्र सिंह, उस्मान आदि के सहयोग से 232 लोगों को कोरोना से बचाव का टीका लगाया गया। जिसमें, 12 से 14 वर्ष के 118 बच्चे व 14 लोगों को बूस्टर डोज दी गई। कैंप में 105 लोगों ने कोरोना की जांच कराई। जांच में सभी की रिपोर्ट निगेटिव आई। डॉ. विपुल वर्मा ने लोगों से मॉस्क लगाकर रखने की अपील की।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

श्रद्धा ज्ञान देती है, नम्रता मान देती है, योग्यता स्थान देती है।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

राजनीतिक सुस्ती : ओटीपी के युग में पते का प्रमाण मांगना

सौ करोड़ से अधिक भारतीयों की जीवन सुगमता की आकांक्षा अक्सर राजनीतिक सुस्ती और प्रणालीगत उदासीनता के बीच फंसी पाई जाती है। शासन प्रभावी रूप से दो दुनियाओं के बीचफंसा हुआ है। एक डिजिटल प्रणाली है, जहां भारतीय 21वीं सदी के परिणामों का आनंद उठाते हैं और फिर तीसरी दुनिया का अनुभव है, जहां शासन अब भी औपनिवेशिक खुमार से उबर रहा है। इसका सटीक उदाहरण भारतीय पासपोर्ट बनवाने या उसका नवीनीकरण कराने की प्रक्रिया में प्रकट होता है।

इस प्रक्रिया का पहला हिस्सा पहली दुनिया है, जिसका श्रेय टीसीएस द्वारा तैयार और विदेश मंत्रालय द्वारा सक्षम प्रणाली को जाता है। आवेदक ऑनलाइन एक फॉर्म भरता है। फिर उसे मिलने की एक तिथि मिलती है, जिस दिन वह केंद्र पर जाता है और जरूरी दस्तावेज सौंपता है। यदि सब कुछ ठीक रहा, तो एक पखवाड़े के भीतर उसे पासपोर्ट मिल जाता है। दूसरे चरण में 'पुलिस सत्यापन' प्रक्रिया के लिए उसे उत्तर–औपनिवेशिक दुनिया में लौटना पड़ता है।

पहले से ही काम के बोझ से दबे पुलिस विभाग (जहां हर पांचवां पद खाली है) को हर वर्ष एक करोड़ से अधिक आवेदकों के पते और पिछले जीवन का सत्यापन करना पड़ता है। सत्यापन के लिए पुलिस विभाग या तो एक अधिकारी को आवेदक के घर भेजता है या उसे पुलिस स्टेशन में बुलाता है। कल्पना कीजिए कि आपको अपने पासपोर्ट का नवीनीकरण कराना है, पर आपने घर बदल लिया है! पासपोर्ट जारी करने वाला प्राधिकरण (केंद्रीय पासपोर्ट संगठन) दो दस्तावेज चाहता है–पहचान का प्रमाण और पते का प्रमाण।

आप आधार कार्ड/ड्राइविंग लाइसेंस और बैंक स्टेटमेंट देते हैं। अब यह मानते हुए, कि पिछला जीवन स्पष्ट है, पुलिस विभाग को पहचान और पते के उन्हीं दस्तावेजों की जांच करने का काम सौंपा जाता है, जिन्हें जारी करने वाला प्राधिकारी पहले ही जांच चुका है। क्या अंतरविभागीय विश्वास इतना कमजोर है कि एक विभाग को वही काम दोहराना होगा, जो पहले ही हो चुका है? जाहिर है, कानून को पहचान सत्यापित करने के लिए सिस्टम की जरूरत होती है, ताकि कोई धोखाधड़ी से पासपोर्ट न ले रहा हो।

पासपोर्ट प्राधिकरणप्रत्येक आवेदक के बायोमेट्रिक्स को पंजीकृत करता है। आधार पर एक अरब से अधिक लोग पंजीकृत हैं। क्या ओटीपी के जमाने में तकनीक इसका समाधान नहीं हो सकती? यात्रा दस्तावेज पर पते का प्रकाशन समस्याएं बढ़ाता है। कई देशों (ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा और यहां तक कि इस्राइल) के पासपोर्ट पर घर का या कोई अन्य पता नहीं होता, जबकि कुछ केवल यात्रा दस्तावेज भेजने के लिए संपर्क पता चाहते हैं। इसलिए यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि भारतीय पासपोर्ट में आवासीय पता क्यों दिया जाना चाहिए।

पता मांगने की यह लत केवल पासपोर्ट तक सीमित नहीं है–इसका असर नागरिकों को बुनियादी सेवाएं तक पाने के संघर्ष में दिखाई देता है। उदाहरण के लिए, बैंक में खाता खुलवाने के लिए भी पता देना होता है। तथ्य यह है कि ग्राहक अपना पैसा बैंक में जमा कर रहा है, इसलिए ग्राहक प्रमुख है और बैंक एजेंट है। रिजर्व बैंक के आंकड़े बता रहे हैं कि ज्यादातर बैंकिंग कार्य डिजिटल होते हैं, फिर भी बैंक सबूत के साथ जानना चाहते हैं कि आप कहां रहते हैं।

सच है कि राष्ट्रीय कानूनों और अंतरराष्ट्रीय संधियों को देखते हुए बैंकों के लिए केवाईसी सुनिश्चित करना आवश्यक है। यह भी उतना ही सच है कि बैंक ग्राहकों की पहचान या तो आधार या सरकार द्वारा जारी दस्तावेज के जरिये करते हैं। तो ऐसे युग में, जब जगहें बदलना आम बात है, व्यवस्था इस पर जोर क्यों देती है कि ग्राहक घर बदलने पर हर बार पते का प्रमाण दे? सच्चाई यह है कि जहां–जहां अवसर और संभावनाएं होती हैं, भारतीय वहां–वहां जीवन और आजीविका की तलाश में जाते रहते हैं।

वर्ष 2011 कीजनगणना बताती है कि 45 करोड़ से ज्यादा लोग उन जगहों पर नहीं रहते, जहां उनका जन्म हुआ। आंतरिक प्रवास जिलों के भीतर, राज्यों के भीतर और देश भर में हो सकता है। इसके अलावा दस करोड़ से ज्यादा लोग विभिन्न राज्यों में मौसमी प्रवास करते हैं। बचत करने, खर्च करने और पैसे भेजने के लिए उन्हें बैंकिंग सुविधा की जरूरत होती है। लेकिन जो लोग खाता खुलवाना चाहते हैं, उनसे पते का प्रमाण मांगा जाता है। सभी भारतीय नौकरी नहीं करना चाहते।

छोटे शहरों के लोग उद्यमी बनना चाहते हैं। छोटे व्यवसाय स्थापित करने के लिए अक्सर उन्हें बैंकिंग सुविधा के लिए संघर्ष करना पड़ता है। सिस्टम आर्थिक जुड़ाव के लिए आधार और संचार पते को एक टेम्प्लेट के रूप में क्यों नहीं जोड़ सकता? पता मांगने की इस लत के कारण अन्य सेवाएं भी प्रभावित होती हैं, विशेष रूप से पंचायत, नगरपालिका और राज्य सरकार के विभागों द्वारा दी जाने वाली सेवाएं। यह देखते हुए, कि बहुत से भारतीय अपना घर लेने से पहले किराये में रहते हैं, नई वास्तविकता को स्वीकार करने में सरकार का क्या जाता है?

उसे लोगों को सेवाओं तक पहुंचने में सक्षम बनाने के लिए एक व्यवस्थित समाधान के साथ आना चाहिए, चाहे वे कहीं भी रह रहे हों। 15 अगस्त, 2019 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की थी कि स्वतंत्र भारत के लिए 'जीवन की सुगमता' अनिवार्य है और हम इस पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इसे आगे ले जाना चाहते हैं। ऐसा करने के लिए सरकार को अविश्वास की भावना खत्म करनी होगी। जीवन सुगमता की चर्चा इस सरकार ने कई बार की है।

लेकिन प्रणालीगत सुस्ती सरकारी इरादे पर हावी रही, जिससे वादा हकीकत में नहीं बदल पाया। मुद्दा क्षमता को लेकर नहीं है। यह एक राजनीतिक अर्थव्यवस्था है, जिसने 1.3 अरब से अधिक लोगों को पहचान देने के लिए आधार स्थापित किया, एक महीने में 5.04 अरब लेन–देन दर्ज करने के लिए यूपीआई को मजबूत किया, टोल टैक्स वसूलने के लिए फास्टैग शुरू किया, लोगों को टीके की 200 करोड़ खुराक और डिजिटल प्रमाणपत्र दिया गया।

सफलता की कहानियों में सबक होते हैं। शुरुआत एक सर्वेक्षण से करनी चाहिए कि सेवाओं तक पहुंच को कौन–सी चीज प्रभावित करती है। फिर नीति निर्माताओं और स्टार्ट–अप उद्यमियों की चुनौती होगी कि वे ऐसे समाधान लेकर आएं, जिसे आबादी का बड़ा हिस्सा पा सके। युवा व आधुनिक भारत और इसकी पुरातन शासन व्यवस्थाओं के बीच की खाई गहरी है। भारत निश्चित रूप से बेहतर कर सकता है।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

सहयोग एकजुटता भाईचारा एकता और आध्यात्मिक प्रावधान का दिन है ईद अल–फितर –डॉ. मोहम्मद वसी बेग

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : डॉ मोहम्मद वसी बेग के अनुसार ईद उल–फितर शव्वाल महीने के पहले दिन मनाया जाता है। रमजान के पवित्र महीने के दौरान एक महीने के उपवास के बाद दुनिया भर के मुसलमान पहली बार अर्धचंद्र के दर्शन के साथ ईद उल–फितर मनाएंगे। ईद अल–फितर सभी उपवास करने वाले मुसलमानों के लिए लाभ और आशीर्वाद का दिन है, क्योंकि उन्हें उपवास के अच्छे पालन के लिए सर्वशक्तिमान अल्लाह द्वारा महान इनाम का वादा किया जाता है। रमजान के अंत में, मुसलमान अल्लाह के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, जिसने उन्हें उपवास करने में सक्षम बनाया और साथ ही, उन्हें इस धन्य महीने के दौरान प्रचुर मात्रा में प्रावधान प्रदान किया। ईद अल–फितर, इसलिए खुशी का दिन है, अल्लाह को धन्यवाद, सहयोग, एकजुटता, भाईचारा, एकता और आध्यात्मिक प्रावधान। ईद के दिन, कुछ सुन्नत कार्य हैं जो हमें करने चाहिए, जिनमें तकबीर (''अल्लाहु अकबर'' कहते हुए) फज्र से इमाम के नमाज के लिए बाहर आने तक में व्यस्त रहें। पुरुषों, महिलाओं, युवा और वृद्धों के लिए तकबीर की सिफारिश की जाती है। नमाज से पहले जकात अल–फितर अदा करना भी जरूरी है। आदर्श रूप से, इसे पहले से दिया जाना चाहिए ताकि गरीब अपनी ईद का आनंद ले सकें। सबसे अच्छी साफ कपड़े की पोशाक में दिखाई दें, जो आप कर सकते हैं, जो उचित और मामूली हो। प्रार्थना स्थल पर जल्दी जाने की सलाह दी जाती है।और

सबसे महत्वपूर्ण बात, सभी को ईद की खुशी की कामना करना और इस्लामिक भाईचारे की सच्ची निशानियाँ हाथ मिलाना और गले लगाना और दुआ करनाः ''तकाबल अल्लाहु मिन्ना वा मिंकुम'' (अल्लाह इसे हम और आप से स्वीकार करे)।एक–दूसरे से मिलने और उपहारों का आदान–प्रदान करना भी एक अच्छी इस्लामी प्रथा मानी जाती है। पैगंबर (शांति और आशीर्वाद उस पर हो) ने कहाः ''प्रेम को बढ़ावा देने के लिए उपहारों का आदान–प्रदान करें।'' याद रखें ईद की सच्ची भावना गरीबों और जरूरतमंदों के प्रति हमारी अत्यधिक उदारता में परिलक्षित होती है। इसलिए जितना हो सके परोपकारी बनें।बहुत सारे इस्तिफार करें (अल्लाह से माफी मांगें) और प्रार्थना करें कि अल्लाह हमारे उपवास, प्रार्थना और भक्ति को स्वीकार करे, और वह उम्मत की महिमा और सफलता प्रदान करे।

इसौली के कदीमी ईदगाह में अदा की गयी ईद की नमाज

सुलतानपुर ब्यूरो आलोक श्रीवास्तव : बल्दीराय तहसील क्षेत्र के अंतर्गत सबसे बड़ा कस्बा इसौली की कदीमी ईदगांह में ईद उल फितर की की नमाज अदा की गई। तहसील क्षेत्र में अमन और शांति के माहौल में ईद का त्यौहार मनाया गया। आपको बताते चलें कि पिछले दो वर्षों से करौना काल के संकट की वजह से ईद का रंग फीका रहा कोरोना की गाइडलाइंस की वजह से बड़ी जमात गांव में नहीं पढ़ी गयी थी। लेकिन इस वर्ष बड़े खुले वातावरण और बड़ी जमात मे ईदगाह और मस्जिदों में ईद उल फितर की नमाज पढ़ी गई। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के नदौली,अलियाबीद,पटेला, वल्लीपुर, इब्राहिमपुर,बधौना, इसौली मुहम्मदपुर काजी,आदि गांवों की ईदगाह मस्जिदों में नमाज अदा की गई अलग–अलग गांव और कस्बों में मस्जिद और ईदगाह में अलग अलग समय के अनुसार ईद उल फितर की नमाज अदा की गई। बल्दीराय तहसील क्षेत्र की इसौली कस्बा में की ईदगाह इस क्षेत्र की सबसे बड़ी ईदगाह इसौली में ईद का की नमाज अदा की जाती है जिस मौके पर हाफिज कमाल अख्तर ने अवाम को खिताब करते हुए कहां की आपके घर के चारों ओर 40 कदम चाहे जिस धर्म का मानने वाला हो वह आपका पड़ोसी है यदि आप से वह ना खुश है तो उसको इस ईद के मौके पर मनाने के बाद ही ईद की नमाज अदा की जाए वरना आपकी ईद फीकी होगी हाफिज कमाल

अख्तर ने समाज में फैलती नशाखोरी बे हयाई आदि मौजू परअपने ख्यालात का इजहार किया और इस सख्त तरीन मजम्मत की। और लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूकता लाने की कोशिश करें। इस मौके पर उपजिलाधिकारी वंदना पांडेय, थानाध्यक्ष प्रभाकांत तिवारी, पारा चौकी इंचार्ज प्रमोद कुमार यादव सहित प्रशासनिक अमला मौजूद रहा। इलेक्शन करीब नहीं होने से इस साल नेता नगरी से महफूज रहा ईदगांह,नेताओं की आवा जाही नहीं रही तहसील बल्दीराय का स्टाफ को हाफिज कमाल अख्तर ने धन्यवाद ज्ञापित किया साथ साथ उप जिला अधिकारी बंदना पांडे ने इस क्षेत्र के आम क्षेत्रवासियों को भी शासन प्रशासन का सहयोग प्रदान करने का धन्यवाद दिया। इसौली की शाही ईदगाह में इस वर्ष नेतागण विलुप्त नजर आए आवाम ने महसूस किया इस बात की चर्चा रही।कि अब कोई इलेक्शन करीब नहीं है। हांलाकि लोगों ने ईदगाह और मस्जिदों में देश दुनिया में अमन और शांति की दुआ मांगी गई।

कार टकराने के विवाद में मारपीट : गांव में सांप्रदायिक तनाव : फोर्स तैनात

गोरखपुर ब्यूरो : पिपराइच इलाके के सिधवल चौराहे पर सोमवार रात कार टकराने को लेकर मारपीट हो गई। देखते ही देखते विवाद दो संप्रदाय के बीच रंग लेने लगा और दोनों ही पक्ष से लोग एकत्र हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों पक्ष को थाने ले आई और एहतियातन गांव में फोर्स तैनात कर दी गई। देर रात एसपी नाथ मनोज कुमार अवस्थी खुद थाने पहुंच गए और जांच के आधार पर कार्रवाई का आश्वासन देकर मामले को शांत कराया। जानकारी के मुताबिक, बेलाला कांटा निवासी श्रवण कुमार पासवान का नंदा नगर में मकान है। उनका कहना है कि सोमवार रात परिवार लेकर वह महाराजगंज एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। अभी वह सिहावल सीधाएल चौराहे पर पहुंचे थे कि उनकी कार एक अन्य कार से टकरा गई। ओवरटेक करने के दौरान टकराने के बाद दूसरी कार में सवार

सरफराज ने विवाद शुरू कर दिया। मारपीट करने के साथ उन्होंने फोन कर अपने साथियों को बुला लिया और फिर महिलाओं को भी कार से उतारकर बदसलूकी करने लगे। मौजूद ग्रामीणों ने बीच बचाव किया। उधर आरोपित सरफराज का कहना है कि कार टकराने का विवाद होने के बाद श्रवण ने ही गांव से अपने लोगों को बुलाकर मारपीट की। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। एसपी नार्थ मनोज कुमार अवस्थी ने बताया कि कार टकराने को लेकर मारपीट हुई है। घायल का इलाज कराया गया है। तहरीर और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आरोपी ने कबूला जुर्म : बोला– पहले छात्रा के साथ दुष्कर्म किया : फिर मार डाला

मेरठ ब्यूरो : मेरठ जनपद के फलावदा में हुई कक्षा आठवीं की छात्रा की हत्या के मामले में नया मोड़ आ गया है। पुलिस का दावा है कि सिरफिरे रोहित ने हत्या से पहले नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म की वारदात कबूल की है। सोमवार को पुलिस ने हत्यारोपी को पूछताछ के बाद कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेजा गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी के बयान के आधार पर दुष्कर्म की धारा (376) बढ़ा दी गई है। पुष्टि के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। रविवार को फलावदा के एक गांव में मूल रूप से मुरादनगर के बड़का गांव निवासी रोहित ने नाबालिग छात्रा की हत्या कर दी थी। फलावदा थानाध्यक्ष वरुण शर्मा ने बताया कि रोहित ने पूछताछ में बताया है कि दोपहर में किशोरी घर पर अकेली थी, तभी वह उनके यहां पर पहुंचा। वहीं खाना खाया और दुष्कर्म के बाद किशोरी की हत्या कर दी। रोहित ने किशोरी से प्रेम–प्रसंग भी बताया है। दूसरे युवक से बात करने से

नाराज था रोहित पुलिस के मुताबिक रोहित ने बताया कि पांच दिन पहले एक युवती ने बताया था कि छात्रा दूसरे युवक से बात करती है। इसे वह बर्दाश्त नहीं पाया। उसने छात्रा को फोन किया। छात्रा ने इसे झूठ बताया पर रोहित को भरोसा नहीं हुआ और हत्या कर दी।

लखनऊ में 14 मई से शुरू होगा विशेष अनुष्ठान : 11 गौशालाओं का निर्माण व श्रीराम कथा का होगा आयोजन–हिन्दू देव प्रकाश शुक्ला

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। राष्ट्रीय युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू देव प्रकाश शुक्ला ने संगठन के पदाधिकारियों के साथ संगोष्ठी का आयोजन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू देव प्रकाश शुक्ला ने बताया कि हिंदू हृदय सम्राट महंत योगी आदित्यनाथ जी के पुनः मुख्यमंत्री बनने के उपलक्ष्य में गौ यज्ञ एवं श्रीराम कथा का आयोजन राष्ट्रीय युवा वाहिनी द्वारा 11 गौशालाओं का निर्माण करवाना सुनिश्चित किया गया है। अनुष्ठान के मुख्य आयोजक हिन्दू देव प्रकाश शुक्ला ने बताया कि श्रीराम कथा का आयोजन 14 मई को प्रारंभ होगा एवं 20 मई को हवन यज्ञ विशाल भंडारे के साथ समापन किया जाएगा। श्रीराम कथा वक्ता एवं प्रमुख धर्माचार्य श्री श्री 1008 पातालपुरी पीठाधीश्वर बालक दास जी महाराज व राष्ट्रीय कथा व्यास पंडित सुरेश चंद्र अवस्थी शिव शक्ति धाम सधुवापुर नैमिषधाम उत्तर प्रदेश, एवं कथा वक्ता स्वामी जयप्रकाश चौतन्य प्रकांड विद्वानों द्वारा शास्त्रों के अनुसार विधि विधान से कार्यक्रम अनुष्ठान का आयोजन डुडोली रोड

अन्ना मार्केट त्रिकाल फैक्ट्री के पास लखनऊ उ0 प्र में किया जाएगा। इटावा मीटिंग में राष्ट्रीय युवा वाहिनी के राष्ट्रीय महासचिव राजीव शुक्ला,राष्ट्रीय सचिव दशरथ सिंह यादव,राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ कविता श्रीवास्तव, कानपुर व आगरा मंडल मीडिया प्रभारी अनिल कुमार गोस्वामी समेत क्षेत्रीय पदाधिकारी व सदस्यगण उपस्थित रहे।

बनारस में गंगा घाटों पर उमड़े आस्थावानों नें लगाई पुण्य की डुबकी : मंदिरों में लगी भक्तों की कतार

वाराणसी ब्यूरो : अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर मंगलवार को बनारस के गंगा घाटों पर आस्थावानों का रेला उमड़ा। शीतल हवा के झोंके के बीच श्रद्धालुओं ने गंगा में पुण्य की डूबकी लगाई। मंगलवार भोर से ही काशी में उत्तरवाहिनी का तट आस्थावानों की श्रद्धा से पट गया। गंगा में स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने दान भी किया और मंदिरों में दर्शन–पूजन भी आरंभ हो गया। काशी विश्वनाथ मंदिर में लंबी कतार लगी है। संकटमोचन मंदिर और बाबा कालभैरव मंदिर में भी भक्तों की भीड़ देखी जा रही है। करीब दो साल बाद अक्षय तृतीया पर गंगा घाटों पर इतनी भीड़ उमड़ी। स्नान के लिए देर रात से ही गंगा तट पर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। अस्सी से राजघाट के बीच सभी प्रमुख घाटों पर स्नान करने वालों का रेला लगा रहा। देश के विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया। स्थानीय लोगों ने नजदीकी घाटों पर डुबकी लगाई। दशाश्वमेध, शीतला, प्रयागघाट, राजघाट, अस्सी, सिंधिया, मणिकर्णिका, पंचगंगा, अहिल्याबाई घाट, तुलसीघाट, केदारघाट, जैन घाट, भदैनी घाट पर श्रद्धालुओं ने पुण्य की कामना से डुबकी लगाई और

जरूरतमंदों में अन्न, धन और वस्त्र का दान किया। मंदिरों में भी दर्शन–पूजन का सिलसिला जारी अक्षय तृतीया पर काशी विश्वनाथ, केदारेश्वर महादेव के अलावा संकटमोचन हनुमान मंदिर तुलसी घाट, अस्सी संघमेश्वर आदि मंदिरों में दर्शन–पूजन का सिलसिला जारी है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर, अन्नपूर्णा, विशालाक्षी देवी, संकटमोचन, दुर्गाकुंड समेत सभी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी है। अक्षय तृतीया की खरीदारी को लेकर बाजारों में रौनक है। जगह–जगह पुलिस बल की विशेष तैनाती की गई है।

गुप्ता बंधुओं को लेकर सामने आई ये बड़ी बात : दक्षिण अफ्रीका की सरकार ने लगाई पाबंदी

सहारनपुर ब्यूरो : उद्योगपति गुप्ता बंधुओं अजय, अतुल और राजेश गुप्ता उर्फ टोनी मूलतः सहारनपुर के रहने वाले हैं। इनके पिता शिवकुमार की सहारनपुर में राशन की दुकानें थीं। वह दिल्ली में खोली गई अपनी कंपनी से मसालों का निर्यात करते थे। उनकी दूसरी कंपनी टेलकम पाउडर में प्रयोग होने वाले सोपस्टोर पाउडर का वितरण करती थी। सहारनपुर के रानी बाजार में इनका पुश्तैनी मकान है। गुप्ता बधु करीब ढाई दशक पहले सहारनपुर से कारोबार के लिए दक्षिण अफ्रीका गए। वहां जल्द ही गुप्ता बंधु दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष पांच धनी लोगों में शुमार हो गए। पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा से उनकी बेहद नजदीकी थी। बाद में गुप्ता बंधुओं पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे। दक्षिण अफ्रीका की नई सरकार अब उनके खिलाफ कई मामलों की जांच करा रही है।इसी के चलते दक्षिण अफ्रीका की सरकार ने इन

पर पाबंदी लगाई है। दक्षिण अफ्रीका सरकार गुप्ता बंधुओं के अमेरिका, ब्रिटेन और सऊदी अरब के खातों से पैसा जब्त करने की कोशिश में है। फिलहाल गुप्ता बंधु दुबई में रह रहे हैं। सहारनपुर और देहरादून में भी उनके आवास हैं। यहां दोनों जगहों पर गुप्ता बंधु अक्सर आते जाते रहते हैं।

हिस्ट्रीशीटर के भाई फर्जी शिक्षक को देवरिया से एसटीएफ ने दबोचा : बीए की फर्जी मार्कशीट लगा कर रहा था नौकरी

गोरखपुर ब्यूरो : एसटीएफ गोरखपुर यूनिट ने सोमवार को देवरिया से एक फर्जी शिक्षक को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। एसटीएफ ने उसे देवरिया के भगवान मांझा गांव के प्राथमिक स्कूल से गिरफ्तार किया। एसटीएफ के इंस्पेक्टर सत्यप्रकाश सिंह ने उसके खिलाफ देवरिया के एकौना थाने में जालसाजी, कूटरचित दस्तावेज तैयार करने के आरोप में केस दर्ज कराया है। आरोपित के पास से 1,600 रुपये, दो मोबाइल फोन, एक आधार कार्ड व एक पैन कार्ड बरामद किया गया है। पकड़ा गया आरोपी हिस्ट्रीशीटर लाल बहादुर यादव का भाई है। आरोपित की पहचान बेलीपार के चेरिया निवासी विजय कुमार यादव पुत्र रामधनेश के रूप में हुई है। एसटीएफ इंस्पेक्टर सत्यप्रकाश सिंह ने बताया कि एसटीएफ को कई दिनों से फर्जी शिक्षकों के बारे में सूचनाएं प्राप्त हो रही थीं, जिस पर जांच के लिए एक टीम गठित की गई थी। जांच में सामने आया कि गोरखपुर के बेलीपार का विजय कुमार यादव देवरिया के रुद्रपुर के भगवान मांझा गांव स्थित प्राथमिक स्कूल में शिक्षक के पद पर फर्जी तरीके से काम कर रहा है। इसके बाद टीम ने उसे वहां से दबोच लिया। पूछताछ में आरोपित विजय कुमार यादव ने बताया कि उसके पास बीए की मार्कशीट नहीं है। उसके भाई लालबहादुर यादव ने बीए की फर्जी मार्कशीट कहीं

से बनवाई थी। साथ ही यह भी बताया कि यूनिवर्सिटी के सारिणी पंजिका से वह पेज गायब करा दिया था। बीए में थे कम नंबर आरोपी ने बताया कि बीए की मार्कशीट में उसे 1800 में 748 नंबर मिले थे। मेरिट में आने के लिए उसे ज्यादा नंबर की आवश्यकता थी। लिहाजा उसने व उसके भाई ने 1800 में से 1325 नंबर की फर्जी मार्कशीट बनवा ली। हिस्ट्रीशीटर था आरोपी का भाई लालबहादुर पकड़े गए आरोपी का भाई लालबहादुर बेलीपार थाने का हिस्ट्रीशीटर व गैंगेस्टर था। माफिया विनोद उपाध्याय व उसके बीच में गोरखपुर के पीडब्ल्यू ऑफिस में गोलीबारी हुई थी, जिसमें विनोद उपाध्याय पक्ष के दो लोग मारे गए थे। बाद में लालबहादुर यादव की भी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसका आरोप माफिया विनोद उपाध्याय पर लगा था। बाद में विवेचना में विनोद का नाम बाहर आ गया था।

"छाया ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस" के रूप मनेगा वीएचएनडी

जौनपुर सू.वि. : जनपद में बुधवार व शनिवार को मनाया जाने वाला ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस (वीएचएनडी) अब छाया ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के रूप में मनाया जाएगा। यह जानकारी परिवार नियोजन कार्यक्रम के नोडल अपर मुख्य चिकित्साधिकारी (एसीएमओ) डॉ राजीव कुमार ने दी है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में शासन से पत्र भी आया है। डॉ कुमार ने बताया कि छाया गोली एक नॉन हार्मोनल दवा है। महिलाएं इसका प्रयोग गर्भ निरोध के लिए करती हैं। महिलाओं के स्वास्थ्य पर इसका कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। परिवार नियोजन कार्यक्रम को लोकप्रिय बनाने के लिए अभी तक हर के पहले बुध ावार व शनिवार को ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस मनाया जाता रहा है। इसी में अब गर्भ निरोधक छाया गोली को जोड़ते हुए इसे छाया ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य टीकाकरण, पोषण एवं परिवार नियोजन के सभी साधनों के प्रति लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में एएनएम, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहयोग करती हैं। सामान्यतः यह आयोजन स्वास्थ्य उपकेंद्रों, आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूल, सार्वजनिक भवनों आदि पर मनाया जाता है। वीएचएनडी पर मिलती हैं यह सेवाएं एसीएमओ डॉ कुमार ने बताया कि वीएचएनडी पर गर्भवती और ध ात्री महिलाओं को परिवार नियोजन की सेवाएं दी जाती हैं। गर्भवती और दो साल तक की उम्र के बच्चों का टीकाकरण किया जाता है। दस से 19 साल तक की आयुवर्ग के किशोर–किशोरियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्कतानुसार कैल्शियम और आयरन की गोलियां दी जाती हैं। गर्भवती का वजन करने के साथ ही उनके गर्भ की जांच, ब्लड प्रेशर और गर्भस्थ शिशु के स्वास्थ्य की जांच एएनएम करती हैं। बच्चों का वजन कर उन्हें पोषाहार वितरित किया जाता है। कुपोषित और अति कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र के लिए रेफर किया जाता है। किसी गर्भवती या धात्री को यदि जरूरत होती है तो उन्हें भी सीएचसी अथवा जिला चिकित्सालय के लिए रेफर किया जाता है। क्या कहते हैं सीएमओ सीएमओ डॉ. लक्ष्मी सिंह का कहना है कि अपर मुख्य सचिव का पत्र मिला है। पत्र के माध्यम से दिए गए दिशा–निर्देशों के अनुरूप तैयारियां तेज कर दी गई हैं। आगामी वीएचएनडी को जिले भर में छाया वीएचएनडी के रूप में मनाया जाएगा। परिवार नियोजन के साध ान अपनाने में जौनपुर अव्वल रू 38 वार्षिक पुरुष नसबंदी के लक्ष्य के सापेक्ष मार्च 2021 तक 77 तथा मार्च 2022 तक 78 पुरुष नसबंदी हो चुकी है। यह लक्ष्य से 205 प्रतिशत ज्यादा है। 10,000 वार्षिक महिला नसबंदी के लक्ष्य के सापेक्ष मार्च 2021 तक 11636 तथा मार्च 2022 तक 10,273 महिला नसबंदी हो चुकी है। यह लक्ष्य से 103 प्रतिशत अधिक है। 11,000 वार्षिक इंट्रा यूट्राइन कान्ट्रासेप्टिक डिवाइस (आयूसीडी) के लक्ष्य के सापेक्ष मार्च 2021 तक 5,556 आईयूसीडी तथा मार्च 2022 तक 13,401 आईयूसीडी का लाभार्थियों ने उपयोग कर लिया था जो कि लक्ष्य से 122 प्रतिशत अधिक है। 9,500 वार्षिक लक्ष्य के सापेक्ष मार्च 2021 तक 7,580 पोस्ट पार्टम इंट्रा यूट्राइन कान्ट्रासेप्टिक डिवाइस (पीपीआईयूसीडी) तथा मार्च 2022 तक 15,091 पीपीआईयूसीडी का लाभार्थियों ने उपयोग कर लिया था। यह लक्ष्य से 159 प्रतिशत अधिक है। त्रयमासिक गर्भ निरोधक इंजेक्शन अंतरा के लिए वार्षिक लक्ष्य 5,000 निर्धारित किया गया है लेकिन मार्च 2021 तक 5,414 तथा मार्च 2022 तक 20,748 अंतरा का लाभार्थियों ने उपयोग कर लिया था। यह लक्ष्य से 415 प्रतिशत अधि ाक है। गर्भ निरोधक गोली छाया के लिए 20,000 वार्षिक का लक्ष्य निर्धारित किया गया है लेकिन मार्च 2021 तक 13,144 तथा मार्च 2022 तक 35,095 छाया का लाभार्थियों ने उपयोग कर लिया था। यह लक्ष्य से 175 प्रतिशत अधिक है।

ली शपथ–न बाल विवाह होने देंगे और न ही बनेंगे भागीदार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जिला प्रोबेशन अधिकारी अभय कुमार के नेतृत्व में सोमवार को बाल कल्याण समिति की बैठक हुई। इसमें लोगों ने बाल विवाह की रोकथाम के बारे में विचार–विमर्श किया साथ ही

शपथ ली कि इस अक्षय तृतीया पर न बाल विवाह होने देंगे और न ही उसमें भागीदारी बनेंगे। हर गांव, ब्लाक और जनपद को बाल विवाह से मुक्त रखेंगे। इस दौरान बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के सभी प्रावधानों के बारे में बताते हुए लोगों को जागरूक किया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी अभय कुमार ने आर्थिक पिछड़ेपन को बाल विवाह के कारणों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि अक्सर गरीबी के कारण भी गांवों में बाल विवाह कर दिए जाते हैं। ऐसे लोगों को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी नहीं हो पाती और वह अपनी बच्चियों की कम उम्र में शादी कर देते हैं। बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अशोक मिश्रा ने कहा कि बाल विवाह कानूनन अपराध है। ऐसा नहीं करना चाहिए। इससे उस व्यक्ति का मानसिक और शारीरिक विकास अवरुद्ध हो जाता है। निर्भय ट्रस्ट की शोभना ने गांवों में जाकर बाल विवाह से होने वाली परेशानियों के बारे में लोगों को बताकर कुछ हद तक बाल विवाह में कमी लाई जा सकने की बात कही। अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट की उर्वशी का कहना था कि बाल विवाह होने के कारण ही अक्सर बच्चियां जल्दी घरेलू हिंसा की शिकार हो जाती हैं। बैठक को विधि ा सह परिवीक्षाधिकारी मुरलीधर गिरि, महिला कल्याण अधिकारी नीता वर्मा, जिला समन्वयक प्रतिभा सिंह व बबिता, ज्योतिका श्रीवास्तव, उर्मिला, श्रीदेवी, विनय कुमार सिंह, माधुरी गुप्ता, संजय उपाध्याय आदि ने भी संबोधित किया।

कलेक्ट्रेट प्रेक्षागृह में मनायी गयी तरुणमित्र समाचार पत्र के समूह संपादक रहे कैलाश नाथ की प्रथम पुण्यतिथि

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : तरुणमित्र समाचार पत्र के संस्थापक एवं समूह संपादक कैलाश नाथ की पहली पुण्यतिथि सोमवार को कलेक्ट्रेट प्रेक्षागृह में स्मृति सभा के रूम में मनायी गयी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जाने–माने समाजशास्त्री बीएचयू के प्रोफेसर तथा लोक सेवा आयोग प्रयागराज उत्तर–प्रदेश के सदस्य आरएन त्रिपाठी रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात भारती विद्या मंदिर अहियापुर के बच्चों द्वारा गीत गाकर अतिथियों का स्वागत किया गया। इसके बाद जनपद ही नहीं बल्कि पूर्वांचल के प्रख्यात देवीगीत व भजन गायक राहुल पाठक ने जीवन हो तो ऐसा हो, उज्ज्वल कर दे सबका मन गाकर उनकी स्मृति को लोगों के समक्ष ताजा कर दिया। लखनऊ के संपादक योगेन्द्र कुमार एवं जौनपुर संस्करण के आदर्श कुमार ने संयुक्त रूप से सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्रम् भेंट कर सत्कार किया। कार्यक्रम में स्व0 संपादक की स्मृति में प्रकासित विशेषांक का विमोचन भी हुआ। समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रोफेसर त्रिपाठी ने कहा कि कैलाश नाथ कैलाश पर्वत के समान था। उनका व्यक्तित्व विराट था। जन–जन से उनका जुड़ाव था। वह महामानव थे। उनकी पत्रकारिता नदी के लहरों की भांति थी। वह असहाय सहायता समिति के माध्यम से कई ऐसे सराहनीय कार्य किए जो अतुलनीय है। सरकार को चाहिए कि उन्हें पद्भ विभूषण सम्मान दे। वह 15 रूपए की नौकरी से अपने जीवन की शुरूआत कर पांच राज्यों में इसका विस्तार किया। उनकी कलम रोकने के लिए बहुत पीड़ाएं पहुंचायी गयी लेकिन वह कभी डिगे नहीं। उनके अंदर दयालुता, सहानुभूति पूरी तरह भरी थी। उन्होंने आगे कहा कि कलम के धनी श्री कैलाश नाथ पत्रकारिता के चरित्र को कभी गिरने नहीं दिया। जनपद में सेनापति के रूप में उन्होंने ढ़ेर सारा काम किया। वह अंत तक सूरज की भांति चमकते रहे। आज तीसरी पीढ़ी उनके कार्यों को संभाले हुए है। उनके बताए गए विचारों पर चले हमारी तरफ से उनके प्रति यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। समारोह की अध्यक्षता करते हुए पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर पीसी पातंजलि ने कहा कि स्व0 कैलाश नाथ जौनपुर की धरती के महान सपूत थे। अपने समाचार पत्र के माध्यम से पूर्वांचल विश्वविद्यालय को चलाने में पूरा सहयोग किया। वह मेरे पथ प्रदर्शक तो थे ही गणेश शंकर विद्यार्थी की पीढ़ी के पत्रकार थे। निर्भिक होने के साथ–साथ उन्होंने सामाजिक

समानता एवं समरसता का निर्वहन किया। वह असहायों की सहायता करते थे। उन्होंने गरीब लड़कियों की शादी में जाकर कन्यादान भी किया। वीसी कार्यकाल के दौरान उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। उन्हीं की बदौलत आज राष्ट्रीय स्तर पर तरुणमित्र की पहचान हो रही है। उन्हें पत्रकार, समाजसेवी, भाई, मित्र जो भी कहूं वह कम है। उनके पदचिन्हों पर चलकर ही अगर पत्रकारिता की जाए तो समाज का भला होने से कोई रोक नहीं सकता। स्व0 संपादक के बड़े सुपुत्र एवं लखनऊ संस्करण के संपादक योगेन्द्र कुमार ने कहा कि पूज्य पिताजी ने जो तरुणमित्र का पौधा रोपा है उसे हम पांच राज्यों में पहुंचाने में सफल हुए है। यह उनकी कड़ी मेहनत का आशीर्वाद है। उनकी टीम में जितने लोग रहे वह दिल से जुड़ रहे। आज वह हमारे बीच नहीं है उनकी कही हुए बातें हमें रास्ता दिखा रही है। इसके अलावा डा. राम सिंगार शुक्ल गदेला, वरिष्ठ पत्रकार श्याम नारायण पाण्डेय, अनिल पाण्डेय, ग्राम विकास अधिकारी संजय राकेश, राजेश मिश्र, कुँवर यशवंत सिंह, अनिल कांत राय, अब्दुल हक अंसारी, डा0 बृजेश यदुवंशी, कवि एवं साहित्यकार सभाजीत द्विवेदी प्रखर आदि ने समारोह को सम्बोधित किया। अंत में संयोजक एवं संपादक आदर्श कुमार ने आभार जताते हुए कहा कि इस 44 डिग्री सेल्सिएस तापमान में भी आप लोगों ने अपना बहुमूल्य समय देकर जो कार्यक्रम का गौरव बढ़ाया है इसके लिए हम सभी का दिल से आभार प्रकट करते हैं। इस अवसर पर राजस्थान जयपुर के पत्रकार प्रकाश चन्द्र श्रीवास्तव, तरुणमित्र लखनऊ न्यूज चौनल के पत्रकार प्रदीप विश्वकर्मा, उज्ज्वल कुमार, सुबाष पाण्डेय, कुमार वैभव, संजय राय, राजेन्द्र यादव, राम प्रसाद यादव, संतोष कुमार श्रीवास्तव, विनोद यादव, कृष्ण कुमार मिश्र, राघव विश्वकर्मा, भोले विश्वकर्मा, बेलाल जानी, राजीव साहू, मनोज सिंह, तेजस टूडे के समूह सम्पादक रामजी जायसवाल, राजेश मिश्र, छोटेलाल आर्य, खूशबू, ऊर्मी विश्वकर्मा, गार्गी विश्वकर्मा, कीर्ति, हरीलाल यादव, तेज बहादुर प्रजापति, रमेश चन्द्र विश्वकर्मा, पूर्व विधायक सुरेन्द्र प्रताप सिंह, विजय प्रकाश मिश्र, जयप्रकाश मिश्र, शशिराज सिन्हा, अजीत सोनी, कामरेड जय प्रकाश सिंह, सुबाष चन्द्र बोरा, कपिल देव मौर्य, राजेश श्रीवास्तव, धनी कसौधन, ओपी यादव, संजय जेब्रा, राजन तिवारी, श्री प्रकाश सोनी, केसी श्रीवास्तव, विश्व प्रकाश श्रीवास्तव, अजीत सिंह, मोहम्मद जावेद, विजय स्वरूप, अनिल कुमार, लक्ष्मी शंकर यादव, प्रकाश चन्द्र शुक्ल, संजय चौरसिया, जियालाल, मदन लाल गुप्त, सपा जिलाध्यक्ष लाल बहादुर यादव, भारती विद्या मंदिर के अध यक्ष मनोज विश्वकर्मा, प्रधानाध्यापक कमलेश कुमार पाल, सहायक प्रबंधक नरेन्द्र कुमार गुप्त, प्रकाश विश्वकर्मा समेत तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे। संचालन अरविन्द उपाध्याय ने किया।

देश और संस्कृति को एक सूत्र में बांधती है हिंदी – प्रो पातंजलि

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में सोमवार को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अनुवाद की भूमिका विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह आयोजन भारतीय भाषा संस्कृ ति एवं कला प्रकोष्ठ और जनसंचार विभाग की ओर से किया गया। बतौर मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति प्रो. पीसी पांतजलि ने कहा कि हिंदी सशक्त भाषा है जो सभी भाषाओं को समाहित कर लेती है। यह संस्कृति की संवाहक है हिंदी ही देश की संस्कृति को बचाने के साथ–साथ राष्ट्र को एक सूत्र में बांधने का काम करती है। उन्होंने कहा कि हिंदी जब तक रोजगारपरक नहीं बनेगी तब तक राष्ट्रवाद नहीं पनपेगा। अनुवाद पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हरिवंश राय बच्चन सर्वश्रेष्ठ अनुवादक थे। अनुवादक मानव में संवेदना पैदा करता है। कहा कि अनुवादक शब्दावली , भाषा, सामाजिक, सांस्कृ तिक विविधता से हमेशा जूझता रहता है. भाषा अगर बोधगम्य नहीं है तो वह किसी काम की नहीं। अध यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि बैंकिंग साहित्य में अनुवाद की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसमें रोजगार के अवसर उपलब्ध है। अनुवादक स्रोत को लक्ष्य भाषा बनाते हैं। साहित्य जानने वाले लोगों की भाषा पर पकड़ होती है वह हर विषय पर बोल सकता है। अनुवाद का क्षेत्र बहुत बड़ा है इसमें

बहुत काम हो रहा है और रोजगार के अवसर भी उपलब्ध है। इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि भाषा को समझने का माध यम अनुवाद है. संचालन जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ मनोज मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो अजय द्विवेदी ने किया. इस अवसर पर प्रो बीबी तिवारी, प्रो अविनाश, प्रो रामनारायण, प्रो बीडी शर्मा, प्रो देवराज सिंह , डॉ रजनीश भास्कर, डॉ नुपुर तिवारी, डॉ प्रमोद यादव, डॉ मुराद अली, डॉ श्याम कन्हैया, डॉ सुनील कुमार, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ अवध ा बिहारी सिंह, डॉ चन्दन सिंह,डॉ जान्हवी श्रीवास्तव, मंगला प्रसाद, डॉ पुनीत धवन, प्रवीण सिंह, डॉ प्रमोद कौशिक,डॉ लक्ष्मी मौर्य, श्याम कन्हैया, सुशील प्रजापति, प्रमोद विश्वकर्मा तमाम लोग उपस्थित रहे।

बस की चपेट में आए बाइक सवार तीन बाराती : दर्दनाक हादसे में मौत

बस्ती ब्यूरो : बस्ती कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित बनकटा ओवरब्रिज के पास मंगलवार सुबह बस की चपेट में आकर बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई। तीनों रूधौली क्षेत्र से बरात से लौट रहे थे। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस

के अनुसार अनिल (22) पुत्र रामवृक्ष, नीरज (20) पुत्र रामदीन निवासी गण कोरमा कलवारी तथा संदीप (25) पुत्र गुरु प्रसाद निवासी डेलवा थाना कलवारी एक साथ रुधौली में एक बारात में शामिल होने गए थे। मंगलवार की सुबह तीनों एक ही बाइक से घर लौट रहे थे। कोतवाली के बनकटा ओवरब्रिज के समीप सामने से आ रही अनियंत्रित बस ने बाइक को चपेट में ले लिया। गंभीर चोट लगने से मौके पर तीनों बाइक सवार युवकों की मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर सीओ सदर आलोक प्रसाद, कोतवाल संजय कुमार , आरटीओ अरुण प्रकाश चौबे, यातायात प्रभारी कामेश्वर सिंह, चौकी प्रभारी पटेल चौक संजय कुमार यादव पहुंचे। पुलिस ने तीनों के शव, बाइक और बस को कब्जे में लिया।

अंतर्जातीय विवाह करने वाली लड़की पर हमला करने वाले पुलिसकर्मियों पर कार्यवाही का आदेश

प्रयागराज ब्यूरो : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अंतरजातीय विवाह करने वाली लड़की पर कथित रूप से हमला करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ जांच केआदेश दिए हैं। हाईकोर्ट ने एसएसपी वाराणसी से कहा है कि वह मामले की जांच कर दोषी पाए जाने वाले पुलिस कर्मियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करें। यह आदेश न्यायमूर्ति राहुल चतुर्वेदी ने कविता गुप्ता की ओर से दाखिल बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। कोर्ट ने पुलिस के रवैये पर नाराजगी जताते हुए कहा कि रक्षक कहे जाने वाले पुलिस कर्मी इस मामले में हमलावर हो गए। पुलिस की यह हरकत

अस्वीकार्य है। याचिका में लड़की केपति ने आरोप लगाया है कि लड़की अपने भाइयों की अवैध हिरासत में है। दोनों 29 अप्रैल को कोर्ट में उपस्थित हुए। लड़की ने बताया कि वह बीएचयू की पीजी की छात्रा है। महेश कुमार विश्वकर्मा से प्रेम होने के बाद दोनों ने 30 अप्रैल 2021 को शादी कर ली। लड़की ने बताया कि उसके भाई इस शादी के खिलाफ हैं। हालांकि, कोर्ट में भाइयों ने आरोपों से इनकार किया। याची की ओर से कहा गया कि 26 अप्रैल 2021 को उनके साथ पुलिस चौकी खजुरी थाना मिर्जा मुराद थाना प्रभारी अभिषेक कुमार ने बेरहमी से मारपीट की थी, उनके साथ दो महिला आरक्षी भी थीं। न्यायालय ने एसएसपी वाराणसी को जांच का आदेश देते हुए दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ 10 दिनों के अंदर कार्रवाई का आदेश दिया। कोर्ट ने लड़की के भाइयों से कहा कि वे अपनी बहन के साथ सभी संबंध तोड़ लें और उसे परेशान या बुरा व्यवहार न करें। क्योंकि, उसने अपनी पसंद के लड़के से शादी कर ली है। कोर्ट ने एसएसपी वाराणसी और थाना प्रभारी राजा तालाब को लड़की और उसकेपरिवार को सुरक्षा का निर्देश दिया।

अधिक से अधिक संख्या में डोनेशन कर लक्ष्य को प्राप्त करे : अमित श्रीवास्तव

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : भारतीय जनता पार्टी के तीन मोर्चा की कामकाजी बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें भाजपा मोर्चा के पदाधिकारीगण व कार्यकर्तागण सम्मलित हुए। किसान मोर्चा की बैठक जिलाध्यक्ष नरेन्द्र उपाध्याय के अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। मुख्य अतिथि के रूप में किसान मोर्चा के प्रभारी संदीप सरोज शामिल हुये। जिलाध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा नरेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि 10 अप्रैल से 30 अप्रैल तक पार्टी माइक्रो डोनेशन अभियान चला जिसमें कार्यकर्ताओ ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया, परन्तु अब इसकी अवधि 7 मई तक बढ़ा दी गई है। जिसमें नमो एप के जरिये 5, 10, 50, 500 और एक हजार रुपये का सहयोग किया जाएगा। पार्टी को डोनेशन देने पर ईमेल के जरिये रसीद भी मिलेगी। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए हर विधानसभा पर एक संयोजक नियुक्त किया जो हर बूथ में संपर्क करेंगे। और माइक्रो डोनेशन अभियान में सभी की सहभागिता के लिए प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम 10 व्यक्ति से माइक्रो डोनेशन कराने के लिये प्रेरित कर डोनेशन कराने का दायित्व दिया गया है। बैठक का संचालन जिला महामंत्री इन्द्रसेन सिंह ने की। इसी क्रम में पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष अनिल गुप्ता की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। जिसमें भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला प्रभारी मुख्य अतिथि राकेश वर्मा ने वृत्त लेकर माइक्रोडोनेशन अभियान की सफलता के लिए अपने सुझाव देते हुए कहा कि पिछड़ा मोर्चा जौनपुर सबसे अधिक माइक्रोडोनेशन करते हुए काशी क्षेत्र का नम्बर वन जिला बने इसके लिये सभी पदाधिकारियों का लक्ष्य निर्धारित करते हुए माइक्रोडोनेशन करने के लिए कहा। जिला बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष अनिल गुप्ता ने माइक्रोडोनेशन की सफलता कैसे हो इस पर अपने विचार रखा और सभी पदाधिकारियों और प्रभारियों तथा संयोजकों से माइक्रोडोनेशन की सफलता के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने पर जोर दिया। बैठक का संचालन पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला महामंत्री संजीव गुप्ता ने किया। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की जिला बैठक जिला उपाध्यक्ष एव महिला मोर्चा की प्रभारी रेखा सोनकर के आवास पर संपन्न हुआ। बैठक में जिला महामंत्री अमित श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुये। बैठक में उन्होंने माइक्रोडोनेशन अभियान

के संबंध में चर्चा किया व महिला मोर्चा को डोनेशन का लक्ष्य पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया। एवं अधिक से अधिक संख्या में लोगों को डोनेशन करने के लिये आव्हान किया। बैठक की संचालन जिला महामंत्री महिला मोर्चा विमला श्रीवास्तव ने की। बैठक में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष नीरज मौर्य, पंकज सिंह, राम सिंह, लक्ष्मी कांत मिश्र, घनश्याम यादव, जिला महामंत्री प्रदीप यादव, जिला मंत्री अनिल सिंह शक्ति, संजय सिंह, दिनेश कुमार सिंह, जिला कार्यालय प्रभारी सतीश खरवार, मोहन लाल गुप्ता, अश्वनी दुबे, हरीश चन्द्र शर्मा, राजमती सरोज, मिलन श्रीवास्तव, अंशू कुशवाहा, दिव्या सिंह, चेतना श्रीवास्तव, अवनीश यादव, करुणा मौर्य, सर्वेश चौरसिया, उषा मौर्या, प्रमोद प्रजापति, अवनींद्र यादव, दुर्गा मोर्या, रामअवतार मौर्य, राजेश मौर्य, अच्छेलाल मौर्य, दीपक बिंद, विमल भोजवाल, अरविंद सिंह चौहान, मोखई बिन्द, अशोक राजभर, रेनू मोदनवाल, किसन बिंद, पूर्णमासी राजभर, राजेश प्रजापति उपस्थित रहे।

गर्भपात का मुद्दा: सुप्रीम कोर्ट का फैसला लीक होने से अमेरिका में 'भूकंप' जैसे झटके

नई दिल्ली एजेंसी : अमेरिकी न्यूज वेबसाइट पॉलिटिको.कॉम ने एक विस्फोटक खबर छापी है। इसमें बताया गया है कि गर्भपात की वैध ानिकता के मामले में सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने अपना निर्णय कर लिया है। सुप्रीम कोर्ट बहुमत से 1973 के अपने उस फैसले को पलट देगा, जिसमें गर्भपात को वैध ठहराया गया था। यानी इस फैसले के बाद अमेरिका में गर्भपात कराना गैर–कानूनी हो जाएगा। 1973 के फैसले को रो. वर्सेज वेड नाम से जाना जाता है। पॉलिटिको की इस खबर ने अमेरिका में सबको चौंका दिया है। ये पहला मौका है, जब सुप्रीम कोर्ट का कोई फैसला सुनाए जाने के पहले ही मीडिया को लीक हो गया हो। पोलिटिको की वेबसाइट पर ये खबर आते ही देश भर के मीडिया में ये खबर छा गई है। पोलिटिको ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि किस जज ने क्या फैसला दिया, यह अभी मालूम नहीं हो सका है। फैसला जून के अंत तक सुनाए जाने की संभावना है। इस बीच संभव है कि फैसले की भाषा में कुछ फेरबदल हो। गर्भपात की वैधानिकता पर लंबे समय से विवाद टीवी चौनल सीएनएन अपनी एक रिपोर्ट में अनुमान लगाया है कि सुप्रीम कोर्ट के पांच कंजरवेटिव जजों ने रो. वर्सेज वेड को पलटने के पक्ष में निर्णय दिया होगा। उनमें ये चार जज– क्लेयरेंस थॉमस, नील गोर्सुख, ब्रेट कवाना, और एमी कॉनी बैरेट निश्चित रूप से शामिल होंगे। अमेरिका में गर्भपात की वैधानिकता को लेकर काफी समय से विवाद छिड़ा हुआ है। रिपब्लिकन पार्टी और उसके समर्थक कंजरवेटिव समूहों ने 1973 का फैसला पलटे जाने के पक्ष में मुहिम चला रखी है। रिपब्लिकन पार्टी शासित कई राज्यों में इस संबंध में कानून भी पारित कराए गए हैं। उन राज्यों में मिसीसिपी भी है। इसी राज्य में पिछले साल पारित कराए गए कानून को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। उसी मामले में कोर्ट इस पूरे प्रकरण पर विचार कर रहा है। इस मामले को डॉब्स वर्जेस जैक्सन के नाम से जाना जा रहा है। वेबसाइट एक्सियोस.कॉम की एक रिपोर्ट के मुताबिक रो वर्सेज वेड को सुप्रीम कोर्ट जैसे ही पलटेगा, 13 राज्यों में गर्भपात कराना पूरी तरह गैर–कानूनी हो जाएगा। उसके बाद कई अन्य राज्यों में भी इसे गैर–कानूनी बनाने संबंधी बिल पारित होंगे। लोगों ने जताया विरोध ा सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक पोलिटिको की खबर जैसे ही फैली, सैकड़ों लोग वॉशिंगटन में सुप्रीम कोर्ट के बाहर इकट्ठे हो गए। उनमें बहुत सी महिलाएं लोग रो रही थीं और लोग एक दूसरे को सांत्वना बंधा रहे थे। एक मौके पर लोगों ने नारेबाजी भी शुरू कर दी। कुछ लोगों ने 'कोर्ट को बंद कर दो' जैसे नारे भी लगाए। एक समूह ने कहा– गर्भपात का अधि ाकार खतरे में हैं, लेकिन हम फिर लड़ाई लड़ेंगे। यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास में कानून के प्रोफेसर स्टीव ग्लादेक के मुताबिक पोलिटिको में इस रिपोर्ट का छपना उच्चतर न्यायपालिका की गोपनीयता भंग होने की यह अभूतपूर्व घटना है। उन्होंने सीएनएन से कहा– 'यह सचमुच हैरत में डालने वाला है। इसके पहले हमने कभी ऐसा नहीं सुना कि कोर्ट की अंदरूनी कार्यवाही इस तरह लीक हो गई हो। जो फैसला सामने आया है, वह तो सदमा पहुंचाने वाला ही है। दरअसल, दोनों ही रूपों में यह एक तरह के भूकंप जैसा है।'

गेहूं खरीद हेतु शासन द्वारा जनपद में मोबाइल गेहूँ क्रय केन्द्र की करायी गयी व्यवस्था : अपर जिलाधिकारी

जौनपुर सू.वि. : अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०)/ जिला खरीद अधि ाकारी राम प्रकाश ने अवगत कराया है कि मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत रबी विपणन वर्ष 2022–23 में गेहूं खरीद हेतु शासन द्वारा जनपद में मोबाइल गेहूँ क्रय केन्द्र की व्यवस्था करायी गयी है, जिसके तहत् क्रय केन्द्र प्रभारी द्वारा उचित दर विक्रेताओं एवं ग्राम प्रधानों से वार्ता की जायेगी तथा जिस ग्राम में ट्रक लोड गेंहूँ क्रय की सम्भावना हो, यहाँ मोबाइल क्रय केन्द्र के माध्यम से पंचायत भवन / उचित दर विक्रेताओं की दुकानों में गेहूँ क्रय किया जायेगा तथा वही से क्रय गेंहूँ की मात्रा का सम्प्रदान भारतीय खाद्य निगम के डिपो पर किया जाये। क्रय केन्द्र प्रभारी मोबाइल क्रय केन्द्र के माध्यम से खरीद की तिथि से ग्राम प्रधान एवं सम्बन्धित उचित दर विक्रेताओं को सूचित करेंगे तथा ग्राम प्रधान/उचित सूचना गाँव के किसानों को पूर्व में उपलब्ध करेंगे। मोबाइल क्रय केन्द्र का संचालन करने वाली टीम विक्रेता गाँव में मोबाइल टीम आने की सम्बन्धित गाँव के सार्वजनिक स्थल यथा–पंचायत भवन, उचित दर विक्रेता की दुकान पर गेंहूँ क्रय सम्पादित करेगी। किसान बन्धुओ की सुविधा हेतु जिला खाद्य विपणन अधिकारी, जौनपुर द्वारा एक विशेष दूरभाष नम्बर–05452–297973 की व्यवस्था की गयी है, जिस पर गेहूँ विक्रय एवं विक्रय में आने वाली किसी भी समस्या के तत्काल निवारण हेतु सम्पर्क किया जा सकता है।

सीएचसी बीकापुर में मरीजो के मुताबिक बाहर से दवा खरीदने को होना पड़ रहा मजबूर

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीकापुर की व्यवस्था में सुधार नहीं हो रहा है।इस संबंध में मरीजो ने आरोप लगाया कि अस्पताल में दवा होने के बावजूद हम सभी को बाहर से दवा खरीदनी पड़ रही है।सूत्र के मुताबिक शनिवार 1 मई को रात में अपनी बहन का दवा उपचार कराने आए तारुन विकासखंड के बराव गांव निवासी राकेश कुमार को अस्पताल में बाहर से दवा खरीदने को मजबूर होना पड़ा।पीड़ित द्वारा मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, स्वास्थ्य महानिदेशक, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य और मुख्य चिकित्साधिकारी को जनसुनवाई शिकायत पोर्टल पर शिकायत भेजकर शिकायत किया है।उसके द्वारा बताया गया कि उल्टी दस्त की शिकायत होने के चलते बहन सारिका की तबीयत खराब होने पर रात करीब 12 बजे वह दवा उपचार कराने के लिए एंबुलेंस के जरिए सीएचसी बीकापुर पहुंचा। वहां चिकित्सक ने मरीज को देखा। चिकित्सक ने दवा लिखी तो अस्पताल में ना तो इंजेक्शन न ही सुई मिली और ना ही कोई दवा। मौके पर वहां खड़े एक मेडिकल स्टोर संचालक द्वारा अपने दवा के दुकान से 570 रूपये की दवा दी गई। उसके बाद बहन का दवा उपचार हुआ।इस मौके पर पीड़ित द्वारा शिकायत पत्र में बताया गया है कि अस्पताल में दवा उपचार की व्यवस्था ना होने से ग्रामीण क्षेत्र के

अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवा को लेकर उसे काफी दुख हुआ है। जबकि स्वास्थ्य मंत्री द्वारा पूरी शिद्दत के साथ आम आदमी तक स्वास्थ्य सेवा पहुंचाने के लिए काफी प्रयास किया जा रहा है। फिर भी सीएचसी बीकापुर में रात में आने वाले मरीजों को दवा के लिए भटकना पड़ता है और बाहर से दवा खरीदने के लिए लिखी जाती है। ना तो अस्पताल में मरीजों को पर्याप्त दवा मिलती है। और ना ही उपकरण काम कर रहे हैं।

अग्नि सचेतक योजना के तहत सीएफओ व उनके कर्मी लोगों को आग से बचाव के प्रति कर रहे जागरुक

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)जिले में अग्निसचेतक योजना के तहत शासन की मंशा के अनुरूप पुलिस महानिदेशक फायर सर्विस उत्तर प्रदेश लखनऊ व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अयोध्या शैलेश कुमार पांडेय के आदेशानुसार मुख्य अग्निशमन अधिकारी राज किशोर राय ने अपने सहयोगियों के साथ सोमवार को जिला महिला चिकित्सालय अयोध्या में शिविर किया।जिसमें अस्पताल प्रबंधक अन्य स्टॉप के सहित अग्निशमन प्रशिक्षण में भाग लिये।इस मौके पर आग से बचाव के संबंध में मुख्य अग्निशमन अधिकारी राजकिशोर राय तथा उनके सहयोगियों राम प्रसाद पाण्डेय सद्दाम हुसैन अमन शुक्ला के द्वारा आग से बचाव के विषय में व्याख्यान दिया गया।वही प्राथमिक अग्निशमन उपकरण को चलाकर दिखाया गया।अग्निशमन विभाग के इस प्रशिक्षण शिविर की हॉस्पिटल स्टाफ व अन्य लोगों द्वारा भूरी भूरी प्रशंसा की गई।इसी क्रम में जनपद के अन्य ब्लाकों में भी अग्निशमन कर्मियों द्वारा अग्निसचेतक अभियान के तहत प्रशिक्षण प्रदान किया गया।वही इसी कड़ी में मुख्य अग्निशमन अधिकारी अयोध्या राज किशोर राय के निर्देशन में उनके सहयोगियों द्वारा उसी दिन सोमवार को जिला महिला चिकित्सालय अयोध्या में मॉक ड्रिल का आयोजन हुआ।जहाँ पर अग्निशमन विभाग द्वारा वहाँ पर उपस्थित स्टाफ व अन्य लोगो को अग्नि से बचाव के बारे में जानकारी प्रदान की गई।वहाँ पर उपस्थित स्टाफ को प्राथमिक अग्निशमन उपकरणों को चलाने के बारे में भी बताया गया।इस अवसर पर अग्निशमन विभाग के मुख्य अग्निशमन अधिकारी श्री राजकिशोर राय,फायर

सर्विस चालक राम प्रसाद पाण्डेय,फायरमैन सद्दाम हुसैन,फायरमैन अमन शुक्ला, अस्पताल प्रबंधन/स्टाफ व अन्य उपस्थित रहे अग्निशमन विभाग के इस प्रशिक्षण शिविर का अस्पताल प्रबंधन/स्टाफ व अन्य लोगों द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।इसी क्रम में फायर स्टेशन रुदौली अंतर्गत अग्निशमन द्वितीय अधिकारी सुधीर यादव व फायरमैन चन्द्र प्रकाश सिंह द्वारा ग्राम बनगवां पुलिस चौकी भेलसर थाना रुदौली अंतर्गत ग्राम प्रधान श्री राम करन के सौजन्य से गांव के पंचायत भवन पर एक अग्निशमन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हुआ व थाना महराजगंज अंतर्गत ग्राम सभा बनगवां में लीडिंग फायरमैन जयमूर्ति यादव व फायरमैन राहुल रावत के द्वारा ग्रामवासियों को अग्नि से बचाव के बारे में जागरूक किया गया।

बाबा गन हाउस के खिलाफ पुलिस ने दी रिपोर्ट

अलीगढ़ ब्यूरो : विष्णुपुरी इलाके के बाबा गन हाउस संचालक ने दो बार में आठ हजार कारतूस बेचे, मगर इसकी सूचना पुलिस को नहीं दी। इसको लेकर पुलिस द्वारा गन हाउस के खिलाफ रिपोर्ट दी गई है। बता दें कि टूंडला जीआरपी द्वारा भारी संख्या में कारतूसों संग दबोचे गए व्यक्ति से पूछताछ में खुलासा हुआ था कि वह आठ हजार कारतूस अलीगढ़ के बाबा गन हाउस से खरीदकर लाया है। सीओ तृतीय श्वेताभ पांडेय ने बताया कि चार दिन पहले टूंडला जीआरपी जांच के लिए विष्णुपुरी के बाबा गन हाउस पर पहुंची थी। जांच के लिए टीम ने एसीएम व पुलिस को भी बुलाया था। इस पर वह खुद वहां जांच के लिए गए थे। जांच में पाया गया कि गन हाउस संचालक ने अमरोहा के प्रतीक को दो बार में चार-चार हजार कारतूस बेचे थे, इसमें एक बार में दो-दो हजार कारतूस पिस्टल व रायफल के हैं। इसी तरह दूसरी बार में भी दो-दो हजार कारतूस पिस्टल व रायफल के हैं। इसका पूरा ब्योरा दर्ज किया गया है, मगर इस दौरान जांच में कमी पाई गई कि इतनी बड़ी खरीद का ब्योरा गन हाउस संचालक ने जिलाधिकारी कार्यालय/आयुध कार्यालय को तो दिया है, मगर नियमानुसार एसएसपी कार्यालय को भी सूचना दी जाती है। यह सूचना नहीं दी गई। चूंकि, एसएसपी कार्यालय पर सूचना के बाद यह ध्यान रखा जाता है कि इतनी मात्रा में कोई अगर कारतूस खरीद रहा है तो उसकी मंशा क्या है। सीओ ने बताया कि इस अनदेखी को लेकर बाबा गन हाउस के खिलाफ रिपोर्ट दी गई है, जिसमें गन हाउस लाइसेंस निरस्त करने की संस्तुति की गई है।

बेला फूलों की क्यारी बनाने को लेकर दो पक्षों में विवाद : पुलिस की लापरवाही से हुआ बड़ा हादसा

कन्नौज ब्यूरो : कन्नौज जिले के जलालपुर पनवारा में सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव बंधवा में बेला फूल की क्यारियां बनाने को लेकर दो पक्षों में विवाद होने पर जमकर ईंट पत्थर चले। एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के लोगों पर तेजाब फेंककर हमला कर दिया। इसमें तीन बच्चों और भाजपा नेता के भाई सहित चार लोग गंभीर रूप से झुलस गए। वहीं, मारपीट में दो लोग घायल हुए हैं। भाजपा के बूथ प्रभारी विनय पाल ने बताया कि उनके ताऊ रामप्रकाश का अपने भाई नरेंद्र के बीच खेत का बंटवारा हुआ था, जिसमें खेत में लगी बेला की क्यारी रामप्रकाश के हिस्से में आई थी। लेकिन उस पर कब्जा नरेंद्र कुमार किए हुए थे। सोमवार की रात क्यारी को लेकर आपस में विवाद हुआ था। जलालपुर पनवारा चौकी इंचार्ज सुदेश यादव ने साथियों के साथ पहुंचकर मामला शांत करा दिया था। पुलिस के वापस जाने के बाद नरेंद्र पुत्र सुमेर,अमन व दामोदर पुत्र नरेंद्र कुमार ने गाली गलौज शुरू कर दिया। मना करने पर इन लोगों ने पत्थर फेंकना शुरू कर दिया।रात के समय गांव में अंधेरा होने की वजह से अफरातफरी मच गई। अंधेरे में ही बीच बचाव करते समय दामोदर पुत्र

नरेंद्र ने किसी बर्तन में भरकर लोगों पर तेजाब फेंक दिया। इससे विनय पाल के भाई सिवेक पाल सहित तीन बच्चे पांच वर्षीय कशिश, तीन वर्षीय वंदना और 11 वर्षीय भांजा इशू गंभीर रूप से झुलस गए। आनन फानन रात में जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में में भर्ती करवाया गया। वहीं, पथराव होने पर नरेंद्र व पुत्र अमन को भी काफी चोट लगी। ये लोग भी जिला अस्पताल में भर्ती हैं। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए जलालपुर पनवारा चौकी पुलिस को तहरीर दी है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में ऑनलाइन परीक्षा के लिए हंगामा : छात्र निलंबित

प्रयागराज ब्यूरो : इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) में परास्नातक (पीजी) चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं ऑनलाइन मोड में कराए जाने की मांग को लेकर छात्रों ने सोमवार को विश्वविद्यालय परिसर में जमकर हंगामा किया। परीक्षा नियंत्रक कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन के बाद विश्वविद्यालय का मेन गेट चार घंटे तक बंद रखा गया। मामले में चीफ प्रॉक्टर ने एमए हिंदी अंतिम वर्ष के छात्र दुर्गेश कुमार सिंह को निलंबित कर दिया है और स्पष्टीकरण तलब किया है। इविवि प्रशासन ने पीजी प्रथम और अंतिम सेमेस्टर की परीक्षाओं का कार्यक्रम कुछ दिनों पहले ही जारी किया है। ज्यादातर पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं मई के अंतिम सप्ताह तक पूरी हो जाएंगी। परीक्षाएं ऑफलाइन मोड में कराई जाएंगी, जबकि छात्र चाहते हैं कि पीजी अंतिम सेमेस्टर की परीक्षाएं ऑनलाइन मोड में कराई जाएं। उनका तर्क है कि आगामी दिनों में नेटध्जेआरएफ, यूपीपीएससी, बिहार पीएससी, एनटीपीसी एवं तमाम प्रतियोगी परीक्षाएं हैं। ऐसे में छात्र पीजी की परीक्षाओं की तैयारी करें या प्रतियोगी परीक्षाओं की। छात्रों का कहना है कि अगर ऑनलाइन मोड में परीक्षाएं कराई जाती हैं तो दूसरे जिलों में जाकर प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्र पीजी की ऑनलाइन परीक्षाएं भी दे सकेंगे, वरना उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं से वंचित होना पड़ेगा। छात्रों ने इसी मुद्दे पर एक घंटे तक परीक्षा नियंत्रक कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया। जब वहां उनकी बात नहीं सुनी गई तो वे केंद्रीय पुस्तकालय के सामने मेन गेट पर पहुंच गए और रास्ते पर ही धरने पर बैठ गए। छात्र चार घंटे वहां बैठे रहे।

इस दौरान परिसर में आवागमन बाधित रहा। इस मामले में चीफ प्रॉक्टर प्रो. हर्ष कुमार ने हंडिया निवासी एमए अंतिम वर्ष के छात्र दुर्गेश कुमार सिंह को निलंबित कर दिया है। छात्र के निलंबन नोटिस में कहा गया है कि उसने 50-60 छात्रों के साथ परिसर में घूमकर कक्षाओं को बाधित किया और हुजूम के साथ मेन गेट पर पहुंचकर रास्ता बंद कर दिया। इससे शिक्षकों, प्रशासनिक अधिकारियों, छात्रों और कर्मचारियों को दिक्कत हुई। दुर्गेश से कहा गया है कि वह नौ मई को अपराह्न तीन बजे अपने पिता के साथ कुलानुशासक कार्यालय में उपस्थित होकर स्पष्टीकरण दे। अन्य पाठ्यक्रमों की परीक्षा का कार्यक्रम भी जारी इविवि प्रशासन ने कुछ दिनों पहले पीजी की सेमेस्टर परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी किया था। कुछ पाठ्यक्रम बाकी रह गए थे, जिनकी परीक्षा का कार्यक्रम मंगलवार को जारी कर दिया गया। इविवि प्रशासन ने एमए हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर का परीक्षा कार्यक्रम संशोधित किया है। यह परीक्षा अब 14 से 25 मई तक आयोजित की जाएगी। वहीं, एमए मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा 12 से 23 मई, चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा 13 से 24 मई, एमए पेंटिंग चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा नौ से 18 मई, एमए एमएफए (पेंटिंग) चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा पांच से 16 मई, एमए अंग्रेजी साहित्य प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा 17 से 25 मई, चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा 18 से 24 मई, एमए संस्कृत प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा 17 से 31 मई एवं चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा 14 से 26 मई तक आयोजित की जाएगी।

बेरोजगारी से परेशान दो युवकों ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

प्रयागराज ब्यूरो : धूमनगंज थाना क्षेत्र के हरवारा इलाके में बेरोजगारी से परेशान राहुल सोनकर ने फांसी लगाकर जान दे दी। पिछले लॉकडाउन के दौरान घाटा होने की वजह से उसने दुकान बंद कर दी थी। इसके बाद से वह आर्थिक रूप से टूट गया था। इस बीच वह अवसादग्रस्त हो गया। दूसरी घटना भी धूमनगंज क्षेत्र की ही है। कंधईपुर में बेरोजगारी से परेशान दशरथ यादव ने फांसी लगा ली। हरवारा के रहने वाले राहुल सोनकर ने कर्ज लेकर कुछ साल पहले जूते चप्पल की दुकान खोली थी। कोरोना काल में दूसरे लॉकडाउन के बाद उसे काफी घाटा हुआ था। उसने दुकान बंद कर दी थी। इसके बाद आर्थिक संकट से जूझ रहा था। जिनसे उसने उधार लिया था, वह भी दबाव बनाते थे। इन्हीं सब कारणों से वह अवसाद ग्रस्त हो गया था। ज्यादातर समय वह घर में ही रहता था। रविवार की रात उसने फांसी लगाकर जान दे दी। सुबह घर वालों को पता चला तो कोहराम मच गया। सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। धूमनगंज के प्रभारी थानाध्यक्ष ने बताया कि घरवालों ने किसी पर आरोप नहीं लगाया है।कंधईपुर का दशरथ यादव (32) पिछले कई वर्षों से बेरोजगार चल रहा था। कोरोना काल के बाद से उसके पास कोई काम नहीं था। वह दिन भर घर में गुमसुम रहता था। रविवार की रात वह घर से निकला और पास में ही एक पेड़ पर रस्सी बांधकर फंदे से झूल गया। देर रात लोगों ने देखा तो घरवालों को बताया। शव नीचे उतार दिया गया। सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक दशरथ लाल शराब का आदी था।

कोल्ड स्टोर कारोबारियों की मांगों का उप मुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान

अलीगढ़ ब्यूरो : कोल्ड स्टोरेज फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले 14 व 15 अप्रैल को आगरा में आयोजित दो दिवसीय सेमिनार में देश भर की कोल्ड स्टोर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के समक्ष समस्याएं रखीं थी। जिनका उपमुख्यमंत्री ने संज्ञान लिया है। उन्होंने कारोबारियों की तीन मांगों को मान लिया है। वहीं प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को इस संबंध विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा है। अलीगढ़ कोल्ड स्टोरेज ऑनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष गिर्राज गोदानी ने बताया कि कोल्ड फेडरेशन के अध्यक्ष राजेश गोयल व यूपी कोल्ड स्टोरेज एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविंद कुमार ने नेतृत्व में प्रतिनिधियों ने ज्ञापन सौंपा था, जिसमें तीन मांगे मानी गई हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में आलू की पैदावार ज्यादा इससे देखते हुए इसे मिड डे मील, चारा व आपदा वाले देशों में मदद के तौर पर भेजा जाएगा। कोल्ड स्टोर में सोलर एनर्जी से बनाए जाने बिजली को अब पहले की तरह सरकार उचित मूल्य पर लेगी। तीसरी मांग कोल्ड स्टोरों में उपयोग होने वाली बिजली पर ड्यूटी भी जल्द ही हटा ली जाएगी। इसे लेकर कारोबारियों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

62 मिलावटखोरों पर कार्यवाही : 15.21 लाख रुपये का जुर्माना

अलीगढ़ ब्यूरो : जले में खाद्य पदार्थों में हो रही मिलावटखोरी की रोकथाम के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग लगातार अभियान छेड़े है। ताबड़तोड़ कार्रवाई के बाद भी खाद्य पदार्थों में मिलावट रोके नहीं रुक पा रही है। एडीएम सिटी राकेश कुमार पटेल की कोर्ट ने जिले के 62 मिलावटखोरों पर 15.21 लाख रुपये का अर्थदंड लगाया है। एडीएम सिटी ने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत शिवशंकर शर्मा निवासी विकास नगर, नौरंगाबाद पर आठ हजार, त्रिमूर्ति फ्रेंग्रेंसेस एंड फ्लेवर्स प्रा. लि. टीपी नगर, कानपुर पर 15 हजार रुपये, प्रशांत वार्ष्णेय निवासी द्वारिकापुरी थाना गांधीपार्क पर आठ हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। नदीम निवासी फ्रेंडस कॉलोनी, दोदपुर थाना सिविल लाइन पर नौ हजार, रेखा सक्सेना निवासी जयगंज, सासनीगेट पर छह हजार, रेस्टोरेंट की प्रोपराइटर कुसुम शर्मा निवासी जीएफ ओजोन सिटी, महुआखेडा कल्यानपुर, थाना क्वार्सी पर छह हजार, मोहम्मद जीसान व मोहम्मद इकबाल निवासी नगला जमालपुर पर क्रमशः पांच व छह हजार, धर्मेंद्र निवासी जलाली, थाना हरदुआगंज पर छह हजार रुपये, मोहम्मद नजमुद्दीन निवासी सरायसुल्तानी, सासनीगेट पर 12 हजार का जुर्माना लगाया है। सिराज निवासी सराय मियां पर 15 हजार रुपये, विकास कुमार निवासी त्रिवेणी कॉलोनी, किशनपुर पर 85 हजार, अमित सिंह निवासी गोकुलेश पुरम पर 20 हजार, भानुप्रताप निवासी प्रद्युम्न कॉलोनी पर 15 हजार रुपये, गोपाल चौहान निवासी धर्म समाज कॉलेज, सराय दीनदयाल पर 20 हजार, मुकेश निवासी ग्राम भुकरावली, गभाना पर 12 हजार रुपये, दुर्गेश कुमार निवासी सरोजनगर, क्वार्सी पर 25 हजार, मेसर्स गुप्ता स्पेलर ,क्वार्सी पर 20 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। विष्णु पुत्र टीकम सिंह निवासी ग्राम कोडरा, हरदुआगंज पर 25 हजार, राजकुमार शर्मा निवासी बेगम बाग गली नंबर एक, क्वार्सी पर 90 हजार रुपये का जुर्माना किया है। जाबिद निवासी सुदेशपुर थाना चंडौस पर 55 हजार, व निजाकत खां पर 65 हजार रुपये, मेसर्स इंस्पेंसर रिटेल लि. रोड वैल्यू मॉल, क्वार्सी पर 30 हजार, दीपक गुप्ता जीएफ मेगा सिटी मॉल, सिकंदरपुर मेट्रो गुरुग्राम, हरियाणा पर 85 हजार रुपये, मुन्ना खां निवासी हमदर्द नगर पर 85 हजार, राजेश कुमार निवासी नौरंगाबाद छावनी पर 12 हजार, तेजवीर सिंह निवासी रामनगर कॉलोनी बिजलीघर के पीछे, देहलीगेट पर 15 हजार, मेसर्स प्रकाश नमकीन प्रोडक्ट के प्रो. ओमप्रकाश सिंह निवासी तालानगरी पर 14 हजार, कृष्णा कुमारी अचल ताल पर छह हजार का जुर्माना लगाया है। अनमोल ट्रेडर्स, खैरागढ़, आगरा पर 10 हजार, शौकीन निवासी गोंडा रोड शिवपुरी, इगलास पर आठ हजार, राजकुमार निवासी मढ़ौली, अतरौली पर आठ हजार, गोपाल सैनी निवासी तालानगरी पर सात हजार, राहुल कुमार निवासी शहरी मदनगढ़ी, गोंडा पर छह हजार, सतीश कुमार निवासी रूमामई क्वार्सी पर सात हजार, निर्माता आरपी ऑयल डूंगर इंडस्ट्रीज जयपुर (राजस्थान) पर डेढ़ लाख रुपये, वितरक बाला जली एग्रो फूडस, सिकंदरा इंडस्ट्रीयल एरिया, आगरा पर 75 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। निर्माता एमएस फूड्स पांती बिहार, प्रतिभा कॉलोनी पर 45 हजार, जितेंद्र कौशिक निवासी सिकंद्राबाद, बुलंदशहर पर 35 हजार, कंपनी बीआरएस फूड्स लिमिटेड कैलाश नई दिल्ली (पारस डेयरी) रामघाट रोड अतरौली को 1.65 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। गाजियाबाद फर्म प्राइमोक प्रोडक्टस प्रा.लि. तालानगरी औद्योगिक संस्थाना पर 50 हजार, आसिफ खान व युसुफ खान निवासी ग्राम खेड़ा नगला, पहासू, बुलंदशहर पर क्रमशः 20 हजार व 70 हजार, नरेंद्रपाल सिंह निवासी महरावल, गभाना पर 15 हजार, वितरक मेसर्स रमा इंटरप्राइजेज आजादनगर आईटीआई रोड पर 50 हजार, निर्माता भारत ऑयल मिल तालानगरी पर 1.15 लाख रुपये, गणेश चंद्र निवासी श्यामनगर पर 20 हजार रुपये, राकेश निवासी सिखरना, लोधा पर आठ हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा जिला पशु चिकित्सालय अयोध्या

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)ईद के त्योहार पर जहां आम सरकारी विभागों में छुट्टी है। वहीं नियमानुसार स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं को जारी रखने की अनिवार्यता भी है।जिसके अंतर्गत सभी सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के समयानुसार जारी रखने के सरकारी आदेश भी रहते हैं।परन्तु वहीं पर अयोध्या जिला पशु चिकित्सालय जो कि सिर्फ एक डॉक्टर वीपी पाठक के सहारे वो भी बिना फार्मासिस्ट के सिर्फ दो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के भरोसे प्रतिदिन कई वर्षों से संचालित है।वहीं पर आज ईद के त्योहार पर डीकेयू/एनबीसी चौनल के निरीक्षण में जबकि अस्पताल खोलने के निर्देश प्रातः 8 से 12 निर्गत है,9 बजे पंहुचने पर अस्पताल तो खुला मिला।पर मौके से एक मात्र तैनात डॉक्टर वीपी पाठक मौके से नदारद मिले सिर्फ एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी गीता के सहारे अस्पताल खुला मिला।इस संबंध में जब डॉक्टर वीपी पाठक से फोन पर बात किया गया तो डॉक्टर द्वारा बताया गया आज अस्पताल बंद है,फिर जब मेरे द्वारा बताया गया मौके पर अस्पताल खुला है एक स्टाफ भी मौजूद है तो हड़बड़ाहट में डॉक्टर की तरफ से बयान आया चौंकाने वाला रहा, उनका कहना रहा पता नही कौन अस्पताल खोला है। फिलहाल वो आज अस्पताल नही आयेंगें।अब शासन व विभाग के उच्चाधिकारी इन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करेंगें व क्या कार्यवाई करेंगें भविष्य के गर्त में है,फिलहाल बिना डॉक्टर सिर्फ एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के सहारे अस्पताल खोलकर विभाग आम जनता के बीच क्या छवि प्रस्तुत करना चाहता है, विभाग ही बताये।

भारतीय महिलाओं को अपने पति को साझा करना स्वीकार्य नहीं

प्रयागराज ब्यूरो : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि भारतीय महिलाओं को अपने पति को साझा करना स्वीकार्य नहीं है। जब उसे यह पता चल जाए कि उसका पति पहले से शादीशुदा है और वह फिर एक और शादी करने की तैयारी में हो तो उससे समझदारी की उम्मीद करना असंभव

है। यह स्थिति महिला के लिए बेहद असुविधाजनक होगी। न्यायमूर्ति राहुल चतुर्वेदी की पीठ ने मामले में निचली अदालत के फैसले को सही ठहराते हुए याची (पति) सुशील कुमार व छह अन्य की याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि पति सुशील कुमार कम से कम आईपीसी की धारा 306 के तहत अपराधी प्रतीत होता है। मामले में पत्नी ने आत्महत्या कर ली थी। पति सहित उसकेपरिजनों पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया गया था। मामले में वाराणसी जिले के मडुआडीह थाने में आईपीसी की विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। कोर्ट ने कहा कि भारतीय पत्नियां अपने पति के प्रतिसंवेदनशील हैं। किसी भी विवाहित महिला के लिए यह सबसे बड़ा झटका होगा कि उसका पति किसी अन्य महिला द्वारा साझा किया जा रहा है या वह किसी अन्य महिला से शादी करने जा रहा है। यह अपने आप में आत्महत्या करने के लिए पर्याप्त कारण से अधिक है। पत्नी का आरोप था कि पति पहले से ही किसी अन्य महिला के साथ शादीशुदा था और उससे दो बच्चे हैं और उसे तलाक दिए बिना उसने तीसरी शादी कर ली। इसके बाद उसके साथ दुर्व्यवहार और प्रताड़ित किया जाने लगा। पत्नी ने जहर खा लिया। मामले में अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने पति की याचिका खारिज कर दी तो उसने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने कहा कि पति ने 2018 में तीसरी बार शादी कर ली। यह पत्नी की आत्महत्या का मुख्य कारण समझ में आया। कोर्ट ने कहा कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा चलाए जाने के लिए पर्याप्त सामग्री है।

प्रधानाचार्य भर्ती का रिजल्ट घोषित

प्रयागराज ब्यूरो : कानपुर मंडल के 94 सहायता प्राप्त अशासकीय माध्यमिक स्कूलों को एक दशक के लंबे इंतजार के बाद नियमित प्रधानाचार्य मिल गए। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड ने प्रधानाचार्य भर्ती-2011 का अंतिम चयन परिणाम सोमवार को जारी कर दिया। परिणाम चयन बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रधानाचार्य भर्ती का विवाद हाईकोर्ट में लंबित था। कानपुर मंडल में प्रधानाचार्य के 94 पदों पर भर्ती का परिणाम सबसे अंत में जारी किया गया। इससे पूर्व 25 जनवरी को देवीपाटन मंडल का परिणाम जारी किया गया था। चयन बोर्ड के सचिव नवल किशोर के अनुसार 12 दिसंबर 2019 के हाईकोर्ट के आदेश के क्रम में 31 मार्च एवं एक अप्रैल को कानपुर मंडल के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार कराया गया था। विभिन्न याचिकाओं में हाईकोर्ट के आदेश के क्रम में नगर निगम कानपुर की ओर से संचालित वैदिक टेक्निकल एवं औद्योगिक इंटर कॉलेज दिबियापुर औरैया और नारायण आर्य कन्या इंटर कॉलेज फर्रुखाबाद के परिणाम को छोड़कर शेष संस्थाओं का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया गया है।

सम्पादक मंडल
पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय- हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता-ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक- श्री पी0सी0श्रीवास्तव मो0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से में0 प्रभुदयाल प्रकाशन के लिए श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0-7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या - 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार-पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।